twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

# DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | सोमवार, 19 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 190, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

## रवि किशन सहित 17 एमपी को मिलेगा संसद रत्न पुरस्कार

**नई दिल्ली**

भर्तृहरि महताब और रवि किशन सहित 17 सांसदों और दो संसदीय स्थाई समितियों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। इन पुरस्कारों की शुरूआत प्राइम पाइंट फाउंडेशन ने की थी। ये पुरस्कार सांसदों को संसद में उनके योगदान के लिए दिए जाते हैं। पुरस्कार विजेताओं का चयन राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) के अध्यक्ष हंसराज अहीर की अध्यक्षता वाली निर्णायक समिति ने किया।

**सांसदों ने दिया उत्कृष्ट योगदान**

महताब, सुप्रिया सुले (राकांपा शरदचंद्र पवार), एनके. प्रेमचंद्रन (रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी) और श्रीरंग अप्पा बारणे को संसदीय लोकतंत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। फाउंडेशन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि ये चार सांसद 16वीं और 17वीं लोकसभा के दौरान शीर्ष प्रदर्शन करने वाले सांसद थे। अपने वर्तमान कार्यकाल में भी वे ऐसा ही कर रहे हैं।

## प्रोस्टेट कैंसर से जूझ रहे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन

**वाशिंगटन**

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति कैंसर जैसी घातक बीमारी से जूझ रहे हैं। समाचार एजेंसी एएनआई ने रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के हवाले से बताया कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन को प्रोस्टेट कैंसर के आक्रामक रूप से जूझ रहे हैं। जो बाइडेन के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बाइडन प्रोस्टेट कैंसर के आक्रामक रूप से गुजर रहे हैं। उनकी हालिया रिपोर्ट में बताया गया कि कैंसर बाइडन की हड्डियों तक फैल चुका है। बताया जा रहा कि उनका परिवार डॉक्टरों के साथ उपचार के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

**पिछले सप्ताह लक्षणों का पता चला**

बताया जाता है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के निजी कार्यालय ने एक बयान जारी किया है। इस बयान में कहा गया कि जो बाइडन को मूत्र संबंधी लक्षणों में वृद्धि का अनुभव होने के बाद प्रोस्टेट नोड्यूल की एक नई खोज के लिए देखा गया था।

# आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते: शाह

## ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बल की कार्रवाई की प्रशंसा की

**अहमदाबाद**

**केंद्रीय** गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में अहमदाबाद नगर निगम की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बल की कार्रवाई की प्रशंसा की। साथ ही पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। यदि उसने आतंकवाद नहीं रोका तो सिंधु नदी से एक बूंद पानी नहीं मिलेगा। हमने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। उसके एयरबेस तबाह कर दिए। अमित शाह ने कहा कि जब पीएम मोदी ने देश को संबोधित किया तो उन्होंने साफ कर दिया था कि खून और पानी एक साथ नहीं बहेगा। पड़ोसी देश को चेतावनी देते हुए शाह ने कहा कि आतंक का कारोबार रोकने तक वह सिंधु के पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस जाएगा। आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। यदि आप आतंकवाद को पनाह देना चाहते हैं तो तमाम कारोबार खत्म कर दीजिए।

प्रधानमंत्री ने कहा था कि अगर पाकिस्तान के साथ बात होगी तो वह पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) को वापस लेने और आतंकवाद को खत्म करने को लेकर ही होगी।

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सेनाओं के सम्मान में गुजरात के अहमदाबाद में तिरंगा यात्रा की अगुवाई की। इस दौरान उमड़ी भीड़ के बीच अमित शाह राष्ट्र ध्वज थामे जुलूस के आगे चलते दिखे। गृह मंत्री तिरंगा थामे हुए नल सरोवर चौकड़ी से एकलिंगजी रोड पर महाराणा प्रताप चौक तक पैदल चले। यहां उन्होंने 16वीं सदी के महान योद्धा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। पैदल मार्च में हिस्सा लेने वालों में गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी, स्थानीय विधायक, भाजपा नेता और कार्यकर्ता तथा यहां के शिक्षक और प्राथमिक एवं माध्यमिक विभागों के पदाधिकारी शामिल थे।

### चौथे स्तर का सहकारी ढांचा लागू करने की योजना पर काम

अमित शाह ने कहा कि सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए सरकार के स्तर पर कई तरह के बदलाव किए गए हैं। जरूरत है उन्हें जमीनी स्तर तक पहुंचाने की, ताकि पैक्स और किसान सीधे लाभान्वित हो सकें। उन्होंने प्रत्येक जिले को सहकारिता आंदोलन से जोड़ने पर जोर दिया और कहा कि सभी राज्यों की प्राथमिक मंडलियों की स्थिति सुधारनी होगी। जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर सहकारिता के ढांचे को भी मजबूत करना होगा। केंद्र सरकार तीन-स्तरीय ढांचे की जगह एक चौथे स्तर का सहकारी ढांचा लागू करने की योजना पर काम कर रही है।

## शाह ने सहकारी महासम्मेलन में भी लिया भाग

गुजरात भाजपा ने कहा कि यात्रा में साणंद और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग, सामाजिक और राजनीतिक नेता तिरंगा यात्रा में शामिल हुए और भारत माता की जय के नारे लगाए तथा सशस्त्र बलों के साहस और वीरता को सलाम किया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद देशभर में भाजपा की ओर से सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। इससे पहले अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर आयोजित 'सहकारी महासम्मेलन' में अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने के लिए कई अहम कदम उठाये हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द ही नए पैक्स के पंजीकरण के लिए नीति लाएगी। गृह मंत्री तिरंगा थामे हुए नल सरोवर चौकड़ी से एकलिंगजी रोड पर महाराणा प्रताप चौक तक पैदल चले। यहां उन्होंने 16वीं सदी के महान योद्धा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। पैदल मार्च में हिस्सा लेने वालों में गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी, स्थानीय आदि नेता शामिल थे।

## बीमार पैक्सों के लिए नई नीति लाएगी सरकार: अमित शाह

**नई दिल्ली**

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार का प्रयास है कि कोई भी पंजीकृत पैक्स (प्राथमिक कृषि साख समितियां) बीमार न हों। पहले से परिसमापन (लिक्विडेशन) की स्थिति में पहुंच चुकी पैक्सों के त्वरित समाधान और उनके स्थान पर नई पैक्सों के गठन के लिए केंद्र सरकार जल्द ही एक नई नीति लाने जा रही है। अमित शाह रविवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में अहमदाबाद में आयोजित "सहकारी महासम्मेलन" को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नई नीति के तहत पैक्सों की सारी समस्याओं का समाधान किया जा सकेगा। साथ ही पूरी तरह बंद हो चुकी पैक्सों के स्थान पर नई पैक्स का पंजीकरण भी कराया जाएगा।

इस वर्ष को 'सहकारिता वर्ष' घोषित किया

उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में एक भी पंजीकृत पैक्स वित्तीय रूप से बीमार नहीं होगी। अमित शाह ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र को समृद्ध एवं विस्तार देने के लिए समूहों एवं संस्थाओं में जागरूकता, प्रशिक्षण एवं पारदर्शिता लाने की कोशिश की जा रही है। इसी के तहत सरकार ने इस वर्ष को 'सहकारिता वर्ष' घोषित किया है। साथ ही 'सहकारिता में विज्ञान' को महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार का लक्ष्य वर्ष 2029 तक देशभर में दो लाख नई पैक्स बनाने का है। पहले से बनी पैक्सों को बहुआयामी बनाया जा रहा है, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके। इसके लिए पैक्सों के साथ 22 विभिन्न प्रकार के व्यवसायों को जोड़ा गया है।

## हैदराबाद: एक इमारत में भीषण आग, 08 बच्चे समेत 17 लोगों की मौत

**नई दिल्ली**

हैदराबाद में रविवार सुबह एक गुलजार हाउस नामक इमारत भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भयानक रूप ले लिया। इस घटना में 17 लोगों की जान चली गई है। मृतकों में 8 बच्चे भी शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शॉर्ट सर्किट के कारण इस इमारत में आग लगी।दरअसल, ये हादसा ऐसे समय पर हुआ जब इस बिल्डिंग में एक समारोह चल रहा था, जिसमें स्कूल और कॉलेज के बच्चे भी उपस्थित थे। गर्मियों की छुट्टियों के कारण लोग यहां पर एकत्र हुए थे। जैसे ही इस इमारत में आग लगी किसी को भी बचने का मौका नहीं मिला। बताया जा रहा है कि इस इमारत में केवल एक ही प्रवेश का रास्ता था, इस कारण इस भयावह स्थिति में वह निकलने के लिए नकाफी साबित हुआ। बताया जा रहा है कि रविवार तड़के सुबह इस इमारत में आग लग गई। आग की वजह शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, इमारत में एक ही प्रवेश द्वार होने के कारण इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है। यही वजह है कि समय से आग्निशमन के कर्मचारी इमारत के भीतर नहीं दाखिल हो सके।

## बार-बार मतदान विकसित भारत के लिए बाधा: शिवराज सिंह चौहान

**हैदराबाद**

**केंद्रीय** कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक देश एक चुनाव की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव विकसित भारत के लिए बाधा बन रहा है। एक देश-एक चुनाव को लेकर आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल संबोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संविधान में संशोधन किया जाना चाहिए। ताकि लोकसभा और विधानसभा चुनाव पांच साल में एक बार एक साथ कराए जाएं। बार-बार चुनाव होना विकसित भारत के निर्माण में बाधा बन गया है। कहीं न कहीं इसे रोकना होगा और इस पर लगाम लगानी होगी। उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्रीय हित के बारे में सोचना होगा। जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमें सोचना चाहिए और संकल्प लेना चाहिए कि अब समय आ गया है कि एक साथ चुनाव हों। इससे देश को बहुत लाभ होगा। केंद्रीय मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सशस्त्र बलों की बहादुरी की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि मैं भारतीय सशस्त्र बलों के सटीक निशाने के प्रति सम्मान व्यक्त करना चाहता हूं। मैं हमारे नेतृत्व की सटीक रणनीति के प्रति सम्मान व्यक्त करना चाहता हूं। भारत एक शांतिपूर्ण देश है। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री ने कहा था कि हम किसी को उकसाएंगे नहीं। लेकिन अगर कोई हमें उकसाता है, तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान तीन दिन के भीतर ही घुटनों पर आ गया>

## भारत-ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की वार्ता

**नई दिल्ली।** भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव डॉ अली अकबर अहमदियान के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई। इस वार्ता में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करने पर चर्चा हुई। साथ ही विशेष रूप से चाबहार बंदरगाह और इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) परियोजनाओं पर काम तेज करने पर जोर दिया। चाबहार बंदरगाह और आईएनएसटीसी भारत की पश्चिम एशिया नीति में अहम भूमिका निभाते हैं। इन परियोजनाओं से भारत को मध्य एशिया और यूरोप तक व्यापारिक पहुंच को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। पाकिस्तान के साथ बिगड़ते संबंधों के बीच यह वैकल्पिक मार्ग भारत के लिए बेहद अहम है। दोनों देशों ने इन परियोजनाओं को जल्द से जल्द क्रियान्वित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। ईरान की ओर से जारी वक्तव्य के अनुसार, डोभाल ने ईरान की रचनात्मक भूमिका की सराहना की। वक्तव्य के अनुसार ईरानी पक्ष ने माना कि भारत-ईरान सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। डोभाल ने बातचीत में भारत और ईरान के संबंधों को मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने ईरान द्वारा दिए जा रहे सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया। अहमदियान ने कहा कि भारत और ईरान प्राचीन सभ्यताएं हैं और उनके संबंध गहरे और ऐतिहासिक हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच राजनीतिक और आर्थिक सहयोग की विशाल संभावनाओं की बात की। उन्होंने कहा कि रणनीतिक परियोजनाओं को शीघ्रता से लागू करने की आवश्यकता है।

## देश में 10 हजार से ई-बसें चलाने का प्लान

**नई दिल्ली**

शहरों के आसपास के छोटे कस्बों और उपनगरों को भी केंद्र सरकार की सहायता वाली पीएम ई बस सेवा का लाभ मिल सकेगा। इस बारे में शहरों और राज्यों की मांग को केंद्र सरकार ने स्वीकार कर लिया है और इसके अनुरूप योजना की गाइडलाइन में परिवर्तन भी कर दिया गया है। आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के एक सर्कुलर के मुताबिक शहर की परिभाषा में आने वाले आसपास के कस्बों भी इस योजना के तहत पीएम ई बसों के लिए पात्र होंगे। शहरों की ओर से इसकी लगातार मांग की जा रही थी कि उनके आसपास के जिन क्षेत्रों को वैधानिक रूप से टाउन एरिया घोषित किया गया है, को भी इसके दायरे में लिया जाए।

**7293 बसों को मिल चुकी मंजूरी**

सरकार ने इस पर अपनी मुहर लगा दी है। पीएम ई बस सेवा के तहत तीन से 40 लाख तक की आबादी वाले 169 शहरों में दस हजार ई बसें चलाई जानी हैं। इस योजना के तहत शहर अपनी ओर से जरूरत के मुताबिक प्रस्ताव दे रहे हैं, जिन्हें केंद्र सरकार मंजूर करती है।

## संतों के दिखाये गये रास्ते पर चलते हुए हर वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित: सीएम

**सोनीपत**

हरियाणा सरकार द्वारा संतों और महापुरुषों के विचारों व आदर्शों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाई जा रही संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना के तहत आज सोनीपत में श्री गुरु गोरखनाथ प्रकटोत्सव राज्य स्तरीय समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर नायब सिंह सैनी ने गुरु गोरखनाथ जी को नमन करते हुए कहा कि यह उनका परम सौभाग्य है कि इस प्रकटोत्सव समारोह में वे शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि संतों और महापुरुषों के द्वारा दिखाये गये रास्ते पर चलते हुए हरियाणा सरकार हर वर्ग के कल्याण व उत्थान के लिए समर्पित है। सबसे पहले सबसे गरीब के जीवन स्तर को ऊपर उठाना ही राज्य सरकार का ध्येय है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सोनीपत में एक चौक का नाम गुरु गोरखनाथ जी के नाम पर रखने तथा प्रदेश में जोगी समाज की धर्मशालाओं के लिए 31 लाख रुपये देने की घोषणा की। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने लगभग 104 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत वाली 4 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 84 करोड़ 82 लाख रुपये की 3 परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 19 करोड़ 23 लाख रुपये की परियोजना का उद्घाटन शामिल है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का यह समारोह ऐसे समय में हो रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे बहादुर सैनिकों ने जिस साहस, निष्ठा और अनुशासन के साथ ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, वह केवल एक राष्ट्रीय आत्मा की गरिमा का प्रतीक है। देश के मासूम नागरिकों को मारने का काम किया।

# लिक्विडेशन में गई पैक्स का जल्द निपटारा कर नए रजिस्ट्रेशन के लिए नीति बनेगी : अमित शाह

एजेंसी

**अहमदाबाद।** केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश में 2029 तक सभी पंचायत में पैक्स रजिस्ट्रेशन हो और 2 लाख नई सेवा सहकारी मंडलियों और डेयरियों को रजिस्ट्रेशन कराने का अभियान चलाया गया है। परंतु, यह पैक्स पहले की तरह बीमार नहीं हो, इसके लिए 22 प्रकार की गतिविधियों को पैक्स से जोड़ने का काम केन्द्र सरकार ने किया है। विश्वास है कि आगामी दिनों में एक भी पैक्स आर्थिक रूप से बीमार नहीं होंगे। इसके अलावा जल्द ही केन्द्र सरकार लिक्विडेशन में गई पैक्स का जल्द निपटारा कर इनकी जगह नए पैक्स के रजिस्ट्रेशन के लिए नीति लाएगी। अमित शाह रविवार को अहमदाबाद के सोला स्थित साइंस सिटी में गुजरात राज्य सहकारी संघ की ओर से आयोजित विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका महा सम्मेलन में बोल रहे थे। इसमें देशभर के करीब 4 हजार सहकारी अग्रणी शामिल हुए। इस महा सम्मेलन में देश के सहकारी क्षेत्र में हुई 57 नई पहल और प्राकृतिक खेती के संबंध में भी चर्चा होगी। इससे पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि यूनाइटेड नेशन ने वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय किया है। सहकारिता समग्र विश्व के अंदर आज इतनी प्रासंगिक है जितना 1919 वर्ष के दौरान था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2021 से भारत में

सहकारी आंदोलन को पुनर्जीवित करने का बहुत बड़ा प्रयास यहां से शुरू हुआ। इसका अनुमोदन करने के लिए देश के अंदर सहकारिता वर्ष मनाने की शुरुआत करने का निर्णय हुआ। इसके तहत दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सम्मेलन हुआ जिसमें सहकार से समृद्धि और विकसित भारत में सहकारिता की भूमिका इन दोनों स्लोगन देश के सहकारिता नेताओं के समक्ष रखा गया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज गुजरात में सहकारिता सम्मेलन का आयोजन किया गया है। वर्ष 2021 से लेकर 2025 तक देश के सहकारिता के क्षेत्र में जो-जो परिवर्तन हुए, इसे वक्ताओं ने यहां रखा। परंतु, जब तक यह परिवर्तन नीचे पैक्स और पैक्स के सदस्यों और किसानों तक नहीं पहुंचता है, तब तक यह परिवर्तन भी सहकारी क्षेत्र को मजबूत नहीं कर सकता है। सहकारी संस्थाओं को आगे बढ़ाने के लिए सभी तरह की मंडलियों के अंदर जागरूकता, सहकार का प्रशिक्षण और पारदर्शिता यह तीनों लाने का प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का सहकार विभाग सहकारिता वर्ष का लक्ष्य भी यही रखा है। अमित शाह ने कहा कि साइंस ऑफ कॉरपोरेशन और साइंस इन कॉरपोरेशन यानी सहकारिता के विज्ञान को पुनर्जीवित कर आधुनिक बनना और विज्ञान का सहकारिता में उपयोग करने पर केन्द्र सरकार ने बल दिया है। अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि आजादी के आंदोलन के समय खड़ा हुआ यह सहकारिता आंदोलन 75 साल की आजादी में एक प्रकार से लकवाग्रस्त हो गया। देश के सहकारी नक्शे पर नजर डालें तो देश के बड़े हिस्से पर से सहकारिता आंदोलन समाप्त हो चुका है। गुजरात में इसका अधिक असर नहीं हुआ है। परंतु, गुजरात के सहकारी नेताओं की यह जिम्मेदारी है कि इसका समान रूप से विकास हो। सभी जिले और राज्य सहकारिता आंदोलन से युक्त बनें।

## रक्षा राज्य मंत्री 17वीं लंगकावी प्रदर्शनी में भाग लेने जाएंगे मलेशिया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ 20 से 24 मई तक मलेशिया के लंगकावी में आयोजित होने वाली लंगकावी अंतरराष्ट्रीय समुद्री और अंतरिक्ष प्रदर्शनी (एलआईएमए 2025) के 17वें संस्करण में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। एलआईएमए 2025 में एक भारतीय मंडप स्थापित किया गया है, रक्षा राज्य मंत्री इसका उद्घाटन करेंगे। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, बीईएमएल, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड व ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड सहित कई डीपीएसयू तथा अन्य निजी रक्षा कंपनियां इस प्रदर्शनी में भाग लेंगी और भारतीय रक्षा उद्योग जगत की सामर्थ्य का प्रदर्शन करेंगी। इस वर्ष, डोर्नियर विमान और एक भारतीय नौसेना जहाज सहित भारतीय रक्षा परिसंपत्तियां भी लंगकावी अंतरराष्ट्रीय समुद्री एवं अंतरिक्ष प्रदर्शनी 2025 में भाग लेंगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार रक्षा राज्य मंत्री इस प्रदर्शनी के अवसर पर मलेशिया के रक्षा मंत्री दातो सेरी मोहम्मद खालिद बिन नॉर्डिन से मुलाकात करेंगे। इस यात्रा से द्विपक्षीय रक्षा सहयोग एवं व्यापक रणनीतिक साझेदारी और भी मजबूत होगी। उल्लेखनीय है कि भारत और मलेशिया के बीच सशक्त एवं बहुआयामी संबंध हैं, जो रक्षा व सुरक्षा सहित कई रणनीतिक क्षेत्रों तक फैल चुके हैं। दोनों देश साल 2024 में मलेशिया के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान स्थापित व्यापक रणनीतिक साझेदारी के दृष्टिकोण के तहत कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

## सड़क से फिसलकर 20 फीट गहरी खाई में गिरी बस, 30 यात्री घायल

**चेन्नई।** तमिलनाडु के वलपराई के निकट तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम (टीएनएसटीसी) की एक बस पलट कर 20 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में बस सवार 30 लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 3 बजे वलपराई घाट सेक्शन के घुमावदार पहाड़ी रास्तों पर कावेर्स एस्टेट क्षेत्र के पास हुई। 72 यात्रियों को लेकर जा रही यह बस तिरुपुर से वलपराई जा रही थी, तभी पहाड़ी क्षेत्र में एक मोड़ पर चालक ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी, यात्रियों में डर का माहौल पैदा हो गया। हालांकि, इस दुर्घटना में सभी यात्री बच गए, लेकिन कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जैसे कि कुछ लोगों को फ्रैक्चर, कट और चोट आई। घटना की सूचना मिलने पर, वलपराई पुलिस मौके पर पहुंची, 108 एम्बुलेंस सेवाओं ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। स्थानीय लोगों के साथ आपातकालीन सेवा दलों की मदद से दुर्गम इलाके में से घायलों को रेस्क्यू कर उन्हें वलपराई स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में इलाज किया जा रहा है।

## मोदी सरकार के फैसले और सेना के सामर्थ्य से सारा देश खुश : धनखड़

**चंडीगढ़।** भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने बादली में आयोजित तिरंगा यात्रा में उमड़े जन सैलाब को संबोधित करते हुए कहा कि यह तिरंगा यात्रा सैनिकों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। मोदी सरकार के साहसिक फैसलों और सेना के सामर्थ्य से पाकिस्तान चार दिन में ही घुटनों पर आ गया और सीजफायर की गुहार लगाने लगा। हमारी बहादुर सेना ने पहलगाम का बदला लेते हुए पाक के अंदर आतंकी ठिकाने तहस नहस किए, फिर

हिमायत में उधार के ड्रोन लेकर आई पाक सेना को हवा में उड़ा दिया। पाक के एयरबेस और अन्य सैन्य ठिकानों को तबाह किया। ये नए भारत की सेना का पराक्रम है। जो पाकिस्तान ने झेला और दुनिया ने देखा। पहले ऐसी कार्रवाई इजरायल करता था, अब भारतीय सेना के डिफेंस मैकेनिज्म को दुनिया ने देखा, जिसका सभी लोहा मान रहे हैं। धनखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना के अदम्य साहस और सामर्थ्य से पूरे देश में जोश का माहौल है। हर भारतवासी अपने सैनिकों के पराक्रम को सलाम करने के लिए तिरंगा यात्रा में शामिल हो रहा है। बलिदानियों को नमन किया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत की एक झलक है। मोदी सरकार के फैसले और सेना के सामर्थ्य से सारा देश खुश है। उन्होंने कहा कि पहलगाम और उससे पहले कि आतंकी घटना के दोषियों को भारत की सेना ने ढूंढ ढूंढ कर मारा है। नौ आतंकी ठिकाने मिले, सभी को सटीक चोट मारी और ध्वस्त कर दिए। पाकिस्तान की सेना तुर्की और चीन से उधार के ड्रोन लेकर मदद को आई तो नए भारत की सेना ने हवा में ही उनको उड़ा दिया। पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे नए भारत की सेना ने अपने सामर्थ्य से पाक के कई एयरबेस और अन्य सैन्य ठिकानों को बर्बाद कर दिया।

## देलाड़ी के राजेन्द्र मीणा को राज्यपाल ने दी पीएचडी की उपाधि

**दौसा।** ग्राम देलाड़ी निवासी राजेन्द्र कुमार मीणा पुत्र रामस्वरूप मीणा को राजस्थान विश्वविद्यालय के 34वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। मीणा को यह उपाधि 'अजमेर मेरवाड़ा का सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास' विषय पर शोध के लिए दी गई है। मीना ने यह शोध कार्य राजस्थान विश्वविद्यालय इतिहास एवं भारतीय संस्कृति विभाग के आचार्य डॉ. अभिमन्यु सिंह आढा के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। वर्तमान में राजेंद्र मीणा सहायक आचार्य के पद पर तिलक पीजी कॉलेज बस्सी में कार्यरत हैं।

# हैदराबाद में गुलजार हाउस में आग लगने से 17 लोगों की मौत

एजेंसी

**हैदराबाद।** आंध्र प्रदेश की राजधानी हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हाउस में रविवार तड़के भीषण आग लगने से 17 लोगों की मौत हो गयी।तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा विभाग के अनुसार चारमीनार के गुलजार हाउस चौरास्ता में स्थित जी+2 बिल्डिंग में सुबह 6:16 बजे आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद मोगलपुरा दमकल केंद्र से एक वाटर टेंडर और चालक दल सबसे पहले मौके पर पहुंचे। आग भूतल पर लगी थी और तेजी से ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। अग्निशमन, तलाश और बचाव अभियान एक साथ शुरू किया गया। अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने पहली मंजिल पर फंसे सत्रह व्यक्तियों को बचाया और इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती

कराया। कुछ देर बाद विभिन्न स्थानों से कुल 12 अग्निशमन उपकरण घटनास्थल पर पहुंचे। कड़ी मुशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे बाद आग पर काबू पा लिया। ब्रोंटो स्काईलिफ्ट हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म और फायर रोबोट ने इस अभियान में अहम भूमिका निभाई। आग लगने के कारणों की फिलहाल पता नहीं चल पाया है। संपत्ति के नुकसान का आकलन अभी नहीं हो पाया है। मृतकों की पहचान प्रहलाद (70), मुन्नी (70), राजेंद्र मोदी (65), सुमित्रा (60), हमी (7), अभिषेक (31), शीतल (35), प्रियांश (4), इराज (2), आरुषि (3), ऋषभ (4), प्रथम (1.5 वर्ष), अनुयान (3), वर्षा (35), पंकज (36) रजनी (32) और इद्दू (4) के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और तत्काल बचाव और राहत उपायों के आदेश दिए। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को घायलों के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार और पीड़ित परिवारों को पूर्ण सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कुछ पीड़ितों से व्यक्तिगत रूप से बात की और प्रतिक्रिया की निगरानी के लिए हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ समन्वय किया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घटनास्थल का दौरा किया और अग्निशमन विभाग के महानिदेशक नागी रेड्डी और दक्षिण क्षेत्र की पुलिस उपाधीक्षक (डीसीपी) स्नेहा मिश्रा से जानकारी जानकारी हासिल की। उन्होंने कहा कि आग लगने की सूचना सुबह 6:16 बजे मिली और टीमों ने तुरंत कार्रवाई की। हालांकि मदद पहुंचने तक कई पीड़ित गंभीर रूप से जख्मी हो चुके थे, लेकिन त्वरित प्रतिक्रिया से जानमाल के और नुकसान को रोकने में मदद मिली। उन्होंने आश्वासन दिया कि पूरी जांच की जाएगी और पुष्टि की कि प्रारंभिक निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि यह एक दुर्घटना थी और इसमें किसी गड़बड़ी का संदेह नहीं है।

### मोदी ने जतायी संवेदना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर दुख जताया है और मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए अनुग्रह राशि दिये जाने की घोषणा की है। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 02 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

# आरसीपी की पार्टी का जनसुराज में विलय

**जनसुराज के सूत्रधार ने जदयू कार्यकर्ताओं से जन सुराज में शामिल होने का आह्वान किया और कहा कि जदयू के कार्यकर्ता ईमानदार और प्रतिबद्ध हैं।**

एजेंसी

**पटना।** पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने रविवार को अपनी पार्टी आप सबकी आवाज (आसा) का जनसुराज में विलय कर दिया और बेहतर बिहार के निर्माण के लिए जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया। श्री सिंह ने रविवार को यहां अपने समर्थकों के साथ श्री किशोर की मौजूदगी में अपनी पार्टी आसा का जनसुराज में विलय करने की घोषणा की। श्री किशोर और श्री सिंह दोनों ने अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता से मुक्त बिहार के निर्माण के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर श्री किशोर ने याद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार उनसे जनता दल यूनाइटेड (जदयू) का इस तरह विस्तार करने को कहा था कि अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता के लिए कोई जगह न

हो। उन्होंने कहा, 'जदयू अब वह पार्टी नहीं है जो कभी मुख्यमंत्री श्री कुमार के गतिशील नेतृत्व में थी क्योंकि श्री कुमार की शारीरिक और मानसिक क्षमता इतनी कम हो गई है कि वह खुद कोई निर्णय नहीं ले पा रहे हैं, जिसके बाद उनके करीबी चार मंत्रियों ने पार्टी को हाईजैक कर लिया है। जनसुराज के सूत्रधार ने जदयू कार्यकर्ताओं से जन सुराज में शामिल होने का आह्वान किया और कहा कि जदयू के कार्यकर्ता ईमानदार और प्रतिबद्ध हैं। श्री सिंह ने श्री किशोर की सराहना की और याद दिलाया कि कैसे दोनों ने वर्ष 2015 में महागठबंधन की जीत और उसकी सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि महागठबंधन ने बिहार में भाजपा की जीत की लय को रोक दिया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'श्री किशोर बेहतर बिहार बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और यह उनकी पार्टी के जन सुराज में विलय के बाद जल्दी ही हासिल हो सकता है और दोनों इसके लिए मिलकर काम करेंगे।' उन्होंने कहा कि यह निश्चित है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन में बिहार के विकास के लिए कोई विचार नहीं है और उनका ध्यान गुजरात पर है। श्री सिंह ने जोर देकर कहा, प्रति व्यक्ति आय का राष्ट्रीय औसत दो लाख रुपये है जबकि बिहार में यह सिर्फ 60 हजार रुपये है और भारत के वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने के बाद भी यह अंतर बना रहेगा, जैसा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी दावा कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि उन्होंने बिहार में सोना सहित विशाल खनिज संसाधनों के दोहन के लिए मुख्यमंत्री श्री कुमार को कई सुझाव दिए थे, लेकिन उन्होंने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) ने अपनी रिपोर्ट में बिहार में खनिजों के विशाल संसाधनों के बारे में बताया था, लेकिन नीतीश कुमार सरकार इसे दोहन करने के लिए कदम उठाने में उदासीन थी।

## पाकिस्तानी सैन्य संचालन महानिदेशक के साथ बातचीत नहीं : सेना

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय सेना ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक के साथ आज कोई वार्ता निर्धारित नहीं है। सेना ने रविवार सुबह बताया कि महानिदेशकों की बातचीत में लिए गए निर्णय के अनुसार सैन्य कार्रवाई को स्थगित करने के लिए बनी सहमति के समाप्त होने की कोई तिथि नहीं है। सेना ने कहा कि दोनों देशों के सैन्य संचालन

मीडिया की कुछ रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर बनी सहमति आज खत्म हो रही है। उन्होंने कहा कि यह भी सवाल उठाएं जा रहे हैं कि क्या आज दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच कोई वार्ता निर्धारित है। सेना की ओर से कहा गया है कि 12 मई को हुई दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों की वार्ता आज निर्धारित नहीं है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच 12 मई को हुई बातचीत के बाद पाकिस्तान की ओर से कहा गया था कि सैन्य कार्रवाई को अगले रविवार यानि 18 मई तक रोकने पर सहमति बनी है। इसे देखते हुए मीडिया की रिपोर्टों में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे।

# खरगे-राहुल ने पहला परमाणु परीक्षण करने वाले वैज्ञानिकों को किया नमन

एजेंसी

**नई दिल्ली।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश का पहला परमाणु परीक्षण करने वाले वैज्ञानिकों को याद करते हुए उन्हें आज नमन किया। उन्होंने परमाणु वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को याद करते हुए कहा कि उनकी मेहनत से ही भारत परमाणु परीक्षण करने वाला दुनिया का छठा देश बना था। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी याद किया और कहा कि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी असाधारण नेतृत्व का परिचय देते हुए पोखरण परमाणु परीक्षण कराया था।श्री खरगे ने कहा '51 साल पहले, भारत ने अपना पहला परमाणु परीक्षण किया था, जिसका कोड नाम 'स्माइलिंग बुद्धा' था और इस तरह के परीक्षण करने वाला दुनिया का छठा देश बन गया था। हमारे वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने अपनी सरलता और समर्पण के

माध्यम से यह असाधारण उपलब्धि हासिल की। हम उनके प्रति बहुत आभारी हैं। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने विपरीत परिस्थितियों में भी असाधारण साहस दिखाते हुए अनुकरणीय और गतिशील नेतृत्व का प्रदर्शन किया, जो एक ऐसी विरासत है और हमेशा बनी रहेगी।' श्री गांधी ने कहा 'श्रीमती इंदिरा गांधी के दूरदर्शी और निर्णायक नेतृत्व में, भारत ने 51 साल पहले राजस्थान के पोखरण में अपना पहला परमाणु परीक्षण, ऑपरेशन स्माइलिंग बुद्धा किया था। मैं उन प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ जिनके समर्पण ने इसे संभव बनाया। उनकी विरासत आज भी जीवित है, जो पीढ़ियों को तकनीकी उन्नति करने और भारत की सामरिक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए प्रेरित करती है।'

## पीएसएलवी-सी61/ईओएस-09 मिशन तकनीकी गड़बड़ी के कारण पूरा नहीं हो सका

एजेंसी

**श्रीहरिकोटा।** पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-09 को ले जाने वाला पीएसएलवी-सी61 मिशन रविवार सुबह 4-चरणीय रॉकेट के तीसरे चरण के प्रज्वलन और अलग होने में तकनीकी गड़बड़ी के कारण पूरा नहीं हो सका।भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने संवाददाताओं को बताया कि तीसरे चरण में कुछ विसंगति आने के करण मिशन पूरा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि रॉकेट ने निर्धारित समय 0559 बजे उड़ान भरी और पहले दो चरणों का प्रज्वलन और पृथक्करण सामान्य रहा। हालांकि, तीसरे चरण (ठोस प्रणोदकों के साथ) के प्रज्वलन और पृथक्करण के दौरान तकनीकी गड़बड़ी देखी गई। उन्होंने कहा, हम इसका विश्लेषण कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि मिशन पूरा नहीं हो सका।श्री नारायणन ने कहा आज हमने श्रीहरिकोटा से 101वें प्रक्षेपण, पीएसएलवीसी61 ईओएस-09 मिशन को लक्ष्य बनाया। पीएसएलवी चार

चरणों वाला वाहन है और दूसरे चरण तक इसका प्रदर्शन सामान्य था। तीसरे चरण की मोटर पूरी तरह से चालू हो गई, लेकिन तीसरे चरण के संचालन के दौरान हमें एक विसंगति देखने को मिली और मिशन पूरा नहीं हो सका। आज 101वें प्रक्षेपण का प्रयास किया गया, पीएसएलवी-सी61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य था। उन्होंने कहा कि तीसरे चरण में एक अवलोकन के कारण मिशन पूरा नहीं हो सका।ईओएस-09 उपग्रह को पाकिस्तान और चीन की सीमाओं पर मौजूदा तनाव के मद्देनजर सर्जिकल एयर स्ट्राइक के लिए एक गेम चेंजर के रूप में देखा जा रहा है और यह अपने ऑनबोर्ड सी-बैंड सिंथेटिक अपर्चर रडार का उपयोग करके उच्च रिज़ॉल्यूशन वाली सीमा की तस्वीरें प्रदान करेगा जो दिन और रात सभी मौसम की स्थिति में तस्वीरें कैप्चर करेगा। इससे पूर्व 22 घंटे की उल्टी गिनती के बाद, इसरो का सबसे भरोसेमंद प्रक्षेपण यान पीएसएलवी-सी61, स्ट्रैप-ऑन मोटर्स के साथ, 0559 बजे अंधेरे आसमान को रोशन करते हुए प्रथम लॉन्च पैड से शानदार उड़ान भरी। उड़ान भरने से 15 मीटर पहले मिशन निदेशक ने प्रक्षेपण क्रम शुरू किया, लेकिन तीसरे चरण में तकनीकी खराबी के कारण यह विफल हो गया।

## तेजस्वी के आरोपों को जनता गंभीरता से नहीं लेती: जद यू

एजेंसी

**नई दिल्ली** । जनता दल-यूनाइटेड कहा है कि बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के आरोपों को जनता गंभीरता से नहीं लेती है और झूठ बोलने पर उन्हें सत्ता नहीं मिल सकती। जनता दल युनाइटेड - जद यू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने रविवार को यहां कहा कि झूठ बोलने से जनता सत्ता की बागडोर तेजस्वी यादव को नहीं सौंपने वाली है।श्री

तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बिहार सरकार एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कई आरोप लगाए हैं। आरोपों पर पलटवार करते हुए श्री प्रसाद ने कहा कि नीतीश सरकार ने राज्य में 12 लाख नौकरियां एवं 38 लाख रोजगार देने के लक्ष्य को लगभग हासिल कर लिया है और देश के पहले तीन राज्यों में बिहार का नाम शामिल हो चुका है । श्री प्रसाद ने पलायन बढ़ने के आरोपों पर कहा कि अब तो राज्य में ÷रिवर्स माइग्रेशन÷ हो रहा है । स्पष्ट है कि लाखों लोग जो राष्ट्रीय जनता दल- राजद के जंगलराज में बिहार से बाहर गए थे, उनमें लाखों लोग वापस लौट आए हैं । पलायन के आंकड़े निरंतर घट रहे हैं । अपराध बढ़ने के आरोपों को ख़ारिज करते हुए जदयू नेता ने कहा कि प्रति लाख व्यक्ति के अपराध दर के आधार पर देश के बेहतर क़ानून व्यवस्था के राज्यों में बिहार शामिल हुआ है ।अब पति और बच्चों की सकुशल वापसी के लिए माताएं जंगल राज के दौर की तरह मन्नतें नहीं माँगती हैं।

## सीएम भजनलाल शर्मा ने थड़ी पर लिया चाय का स्वाद

एजेंसी

**बीकानेर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शाम बीकानेर में डूंगर कॉलेज के निकट स्थित थड़ी पर चाय का स्वाद लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री की सादगी देखकर लोग अभिभूत हो गए।शर्मा ने आम आदमी की तरह कुल्लड़ चाय पी और आमजन के साथ आत्मीयता से

बात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बेटियों को आशीर्वाद दिया। साथ ही, शर्मा ने बेटियों को पढ़ने की सीख दी और चॉकलेट भी भेंट की।

## भारत ने आतंकवाद को दिया करारा जवाब, दुनिया को दिया संदेश : उपराष्ट्रपति धनखड़

एजेंसी
**नई दिल्ली।** भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रहित, सुरक्षा और शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों, शिक्षकों और गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए कहा कि अब वह समय नहीं रहा जब हम अपने हितों के विरोधी देशों को यात्रा या आयात के माध्यम से सशक्त करते रहें। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, अब समय आ गया है जब हममें से प्रत्येक को आर्थिक राष्ट्रवाद के बारे में गहराई से सोचना चाहिए। हम अब उन देशों की अर्थव्यवस्थाओं को सुधारने के लिए यात्रा या आयात के माध्यम से अपनी भागीदारी के कारण खर्च नहीं कर सकते जो संकट के समय हमारे खिलाफ खड़े हो जाते हैं। हर व्यक्ति राष्ट्र की सुरक्षा में मदद करने के लिए सशक्त है और हम व्यापार, व्यवसाय, वाणिज्य, विशेष रूप से सुरक्षा के मुद्दों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमें हमेशा एक बात ध्यान में रखनी चाहिए, और वह है: 'राष्ट्र प्रथम'। हर चीज को राष्ट्रवाद के प्रति समर्पण के आधार पर देखा जाना चाहिए।

## मिनटों की आंधी-बारिश से हाहाकार : दिल्ली-एनसीआर में पेड़ और खंभे गिरे, रैपिड रेल की शेड उड़ी

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर के कई इलाकों में को मौसम पूरी तरह से बदल गया। आसमान में अचानक से काले बादल छा गए। जिससे साथ तेज गर्म हवाएं चलने लगी। मिनटों की आंधी और बारिश से कई जगहों पर भारी नुकसान हुआ है। आज तेज आंधी के कारण न्यू अशोक नगर नमो भारत स्टेशन की टिन की छत का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सावधानी के तौर पर न्यू अशोक नगर स्टेशन पर परिचालन तत्काल रोक दिया गया है। घटना के संबंध में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। जांच की जा रही है। भविष्य में इस तरह की घटना को रोकने के लिए आवश्यक सुधार कार्य आरंभ कर दिए गए हैं। न्यू अशोक नगर स्टेशन पर सेवाएं अगले निर्देश तक बंद रहेंगी। वहीं नोएडा में भारी बारिश से शहर के कुछ हिस्सों में पेड़ और खंभा गिरने से गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। सड़कों पर जाम लग गया। नोएडा में दोपहर के समय नोएडा और आसपास के इलाकों में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह से चिलचिलाती धूप और तेज गर्मी से परेशान लोग जैसे ही राहत की उम्मीद छोड़ने लगे, दोपहर बाद मौसम ने करवट ले ली। देखते ही देखते आसमान में काले बादल छा गए और कुछ ही देर में तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। मौसम के इस बदलाव से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली और माहौल खुशनुमा हो गया।

## मंत्री आशीष सूद ने आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरित किए, बुजुर्गों को 10 लाख तक का इलाज मिलेगा फ्री

**नई दिल्ली।** आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत दिल्ली में 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड मिलने लगे हैं। इसी कड़ी में आज दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के पात्र वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत कार्ड वितरित किए। दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने कहा, 'आयुष्मान कार्ड का वितरण मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किया गया था। हमने अब तक हजारों लोगों के कार्ड बनाए हैं। इसके साथ ही हम अस्पतालों की सूची भी उपलब्ध करा रहे हैं ताकि वे उन अस्पतालों में जाकर इसका लाभ उठा सकें। हम उन्हें इसके बारे में जागरूक भी कर रहे हैं।' आतंकवाद के खिलाफ भारत की निरंतर लड़ाई और ऑपरेशन सिंदूर को प्रदर्शित करने के लिए प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पर उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री का यह बहुत सराहनीय प्रयास है। पाकिस्तान की नापाक हरकतों और आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। यह संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचेगा और पाकिस्तान की गलत सूचनाओं का मुकाबला करने का काम इन प्रतिनिधिमंडलों के माध्यम से होगा।'

## जलेबी में मिली फफूंदी: 12 साल की बच्ची बीमार

**नई दिल्ली।** गोविंदपुरम स्थित एक मिठाई की दुकान से पनीर की जलेबी खाने के बाद एक 12 वर्षीय बच्ची की तबीयत बिगड़ गई। बच्ची ने जलेबी खाने के तुरंत बाद उल्टी कर दी, जिसके बाद उसके परिजन उसे लेकर तुरंत चिकित्सक के पास पहुंचे। प्राथमिक जांच में पता चला कि जलेबी में फफूंदी लगी हुई थी। मामला सामने आने के बाद खाद्य विभाग हरकत में आया और दुकान से जलेबी के नमूने जांच के लिए भेजने के साथ ही दूषित जलेबी नष्ट कराई है। स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) भोजपुर क्षेत्र में तैनात राहुल शिवाच गोविंदपुरम में रहते हैं। वह शनिवार की शाम एनडीआरएफ रोड स्थित एक प्रसिद्ध मिठाई की दुकान से पनीर वाली जलेबी खरीदकर घर ले गए थे। घर पहुंचने पर उनकी बेटी ने जलेबी खाई, तो उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे उल्टी होने लगी और बेचैनी महसूस हुई।

# हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति मुर्मु से की मुलाकात

एजेंसी
**नई दिल्ली।** हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति को अपनी हाल ही में लॉन्च की गई पुस्तक ''जनता की कहानी मेरी आत्मकथा'' की प्रति भेंट की। राज्यपाल ने एक बयान में कहा कि यह बहुत खुशी और सम्मान का क्षण था क्योंकि राष्ट्रपति ने पुस्तक के कुछ पन्नों को विनम्रतापूर्वक पढ़ा और आत्मकथा में शामिल विषयों पर अपने बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की, जो मेरे सार्वजनिक जीवन और राष्ट्र के प्रति सेवा का वर्णन करती है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हरियाणा में चल रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी ली, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन में विशेष रुचि थी। राज्यपाल दत्तात्रेय ने उन्हें राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और महिला सशक्तिकरण सहित प्रमुख क्षेत्रों में किए जा रहे विकास के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने राष्ट्रपति को हरियाणा में अनुसूचित जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन के बारे में भी अवगत कराया। राष्ट्रपति ने हरियाणा में लड़कियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों, विशेष रूप से खेल क्षेत्र के बारे में, जानकर प्रसन्नता व्यक्त की और राज्य की प्रगति में उनके बढ़ते योगदान की सराहना की। राष्ट्रपति ने राज्यपाल दत्तात्रेय की सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने में राज्य द्वारा अपनाए गए बहुआयामी दृष्टिकोण की सराहना की।

## विदेश मंत्री के बयान पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल

एजेंसी
**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के हालिया बयान को आधार बनाते हुए कहा कि हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष और सैन्य कार्रवाई की स्थिति पर बात करते हुए कहा था, ....ऑपरेशन की शुरुआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकवादी ढाँचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर और सेना के पास यह विकल्प है कि वह बाहर खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे....। इसी बयान का एक वीडियो जारी करते हुए राहुल गांधी ने केन्द्र सरकार पर हमला बोला है। विदेश मंत्री ने अपने बयान में कहा था कि पाकिस्तान ने सैन्य हस्तक्षेप न करने की भारत की 'अच्छी सलाह' को नहीं माना। वहीं, 10 मई की सुबह भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह से नुकसान पहुँचाया। सैटेलाइट तस्वीरों से साफ पता

चलता है कि किसे (पाकिस्तान) नुकसान हुआ है। इससे यह भी स्पष्ट है कि कौन (पाकिस्तान) गोलीबारी बंद करना चाहता था।

# दिल्ली के महेन्द्रा पार्क क्षेत्र से तीन बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार

एजेंसी
**नई दिल्ली।** उत्तर-पश्चिम जिले की फॉरेनर्स सेल ने एक विशेष अभियान के दौरान तीन अवैध रूप से भारत में रह रही बांग्लादेशी महिलाओं को महेन्द्रा पार्क क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। इनमें से एक महिला खुद को ट्रांसजेंडर बताकर पश्चिम बंगाल की निवासी के रूप में इलाके में पहचान बना चुकी थी और सड़क किनारे मोमोज की रेहड़ी लगाकर खुद को छुपा रही थी। उत्तर-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि उनके पास से दो स्मार्टफोन बरामद किए गए हैं। इसमें प्रतिबंधित आईएमओ एप इंस्टॉल था, जिसका उपयोग वे बांग्लादेश में अपने परिजनों से बातचीत के लिए करती थीं। इसके अलावा एक की-पैड मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि फॉरेनर्स सेल की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपितों में से दीपा नाम से जानी जाने वाली एक युवती ने फेसबुक पर एक भारतीय युवक से दोस्ती की थी। बातचीत बढ़ने पर वह अवैध रूप से बांग्लादेश से सीमा पार कर भारत में दाखिल हुई। युवक ने उसे पश्चिम बंगाल में रिसीव किया और फिर वे दिल्ली में एक किराए के मकान में साथ रहने लगी। पड़ोसी उसे पश्चिम बंगाल की स्थानीय युवती मानते थे। पकड़ी गई महिलाओं की पहचान अलीना (22 ), तंजीना रहमान उर्फ दीपा (22) और सुहान खान (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों महिलाओं को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए एफआरआरओ आरके पुरम को सौंप दिया है। डीसीपी के अनुसार मई 2025 में सोशल मीडिया पर संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों का विश्लेषण शुरू किया गया। एक फेसबुक रील के जरिए उन्हें महेन्द्रा पार्क इलाके की एक गली की पहचान हुई। इसमें एक आइसक्रीम रेहड़ी को दिखाया गया था। उसी वीडियो के आधार पर पुलिस ने करीब 50 गलियों की तलाशी ली और आखिरकार संदिग्ध महिला को पकड़ लिया। 'दीपा' नाम से रह रही युवती से पूछताछ के बाद दो अन्य बांग्लादेशी महिलाओं की भी पहचान हुई और उन्हें हिरासत में लिया गया। शुरू में दोनों महिलाओं ने खुद को भारतीय नागरिक बताने की कोशिश की, लेकिन मोबाइल फोन की जांच और पूछताछ में सच्चाई सामने आ गई। तीनों ने यह कबूल किया कि वह बेनापुर बॉर्डर के रास्ते से भारत में आईं। यहां वे अपने-अपने पुरुष साथियों के साथ लिव-इन में रह रही थीं।

## सरोजिनी नगर मार्केट में आधी रात को चला एनडीएमसी का बुलडोजर

एजेंसी
**नई दिल्ली।** दिल्ली की सबसे चर्चित और सस्ती मार्केटों में शामिल सरोजिनी नगर मार्केट में शनिवार-रविवार रात 12.30 बजे एनडीएमसी ने बुलडोजर चलाया। एनडीएमसी की यह कार्रवाई अवैध रूप से बनाई दुकानों पर हुई है। वहीं, एनडीएमसी की इस कार्रवाई पर दुकानदारों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। दुकानदारों का आरोप है कि बिना किसी पूर्व सूचना के वैध दुकानों को भी नुकसान पहुंचाया गया। सरोजिनी नगर मिनी मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक रंधावा ने बताया कि आधी रात को एनडीएमसी की ओर से तोड़फोड़ की गई। इस कार्रवाई में बड़ी दुकानों और मिनी मार्केट्स को नुकसान पहुंचा है, यहां तक कि छतें भी तोड़ दी गई हैं। आधी रात को यह कैसी कार्रवाई हो रही है? एनडीएमसी को कोई कार्रवाई करनी थी तो नोटिस दे सकते थे। लेकिन, बिना नोटिस के यह कार्रवाई कितनी ठीक है? एनडीएमसी की इस कार्रवाई के विरोध में हम रविवार को मार्केट बंद रखेंगे। वहीं, अन्य दुकानदारों का कहना है कि एनडीएमसी की ओर से जो कार्रवाई की गई, उससे हमारी दुकानों को नुकसान हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि एनडीएमसी की ओर से इस कार्रवाई में करीब 500 दुकानों को नुकसान पहुंचाया गया है। बता दें कि सरोजिनी नगर मार्केट दिल्ली की सबसे पुरानी मार्केट में से एक है। यहां पर दिल्ली ही नहीं बल्कि दिल्ली के बाहर से भी लोग कपड़े की खरीददारी करने के लिए पहुंचते हैं। शनिवार-रविवार को यहां पर लोगों की भारी भीड़ होती है। यहां पर नियमित दुकानों की आड़ में पटरी पर भी भारी संख्या में

दुकानें संचालित होती हैं, जिससे यहां पर भीड़-भाड़ काफी ज्यादा होती है। मार्केट एसोसिएशन की ओर से पटरी पर सजने वाली दुकानों के खिलाफ कई बार शिकायत भी की गई। लेकिन, पटरी पर लगने वाले बाजार कम होने की जगह इनकी तादाद बढ़ी। वहीं, एनडीएमसी के हवाले से बताया गया है कि अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई है। एनडीएमसी की कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था।

# केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेस वे का निरीक्षण किया

एजेंसी
**नई दिल्ली।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेस वे के 210 किलोमीटर हिस्से का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एनएचएआई अधिकारियों को परियोजना को तेजी से पूरा करने और निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

एक्सप्रेस वे की विशेषताएं:

- लंबाई और लागतः एक्सप्रेस वे की लंबाई 210 किलोमीटर है, जिसकी निर्माण लागत लगभग 12,000 करोड़ रुपये है।
- गति और यात्रा समय- एक्सप्रेस वे की निर्धारित गति 100 किलोमीटर प्रति घंटा होगी, जिससे दिल्ली से देहरादून तक की यात्रा का समय मौजूदा 6.5 घंटे से घटकर 2.5 घंटे रह जाएगा।
- रूटः एक्सप्रेस वे अक्षरधाम मंदिर दिल्ली से शुरू होकर बागपत, बड़ौत, मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर से होकर गुजरेगा और देहरादून में समाप्त होगा।
- पर्यावरण संरक्षणः एक्सप्रेस वे के विकास के दौरान राजाजी राष्ट्रीय पार्क में 12 किलोमीटर लंबा एशिया का सबसे बड़ा एलिवेटेड कॉरिडोर विकसित किया गया है।

**मंत्री के निर्देश:**

- हर्ष मल्होत्रा ने एनएचएआई अधिकारियों को परियोजना को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया।
- परियोजना का शेष भाग 2-3 महीने के भीतर पूरा होने की संभावना है।

**एक्सप्रेस वे का महत्वः**

- एक्सप्रेस वे दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भीड़भाड़ कम करने में सहायक होगा।
- दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे और अन्य कनेक्टिंग राजमार्गों पर भार कम होगा।
- एक्सप्रेस वे उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के हिल स्टेशनों और तीर्थ स्थलों से संपर्क बढ़ाएगा।

## दिल्ली के पहाड़गंज में दीवार गिरने से हादसा, तीन लोगों की मौत

एजेंसी
**नई दिल्ली।** दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में शनिवार शाम को एक बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि, कई लोग मलबे में फंस गए। दरअसल, एक निर्माणाधीन इमारत के बेसमेंट का काम चल रहा था। इसी दौरान दीवार गिर गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। यह घटना शाम करीब 6:05 बजे के आसपास आरा कंसा रोड, कृष्णा होटल के पास हुई। घटना के बाद बताया गया कि कुछ लोग मलबे में फंसे हैं। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। शाम 6:35 बजे जानकारी मिली कि बेसमेंट के निर्माण के दौरान पास की दीवार गिर गई, जिससे तीन लोग मलबे में दब गए। उन्हें तुरंत बाहर निकालकर एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, अब तक की जानकारी में तीन लोगों की मौत हो चुकी है और दो लोग घायल हैं। इस घटना के बाद रेस्क्यू

ऑपरेशन जारी है। प्रशासन और राहत टीम मौके पर मौजूद हैं, मलबा हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है। बता दें कि दिल्ली में पिछले महीने एक इमारत ढह गई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी। दिल्ली के मुस्तफाबाद में 19 अप्रैल को इमारत ढहने से 11 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना में कई लोग घायल भी हुए थे।

## केंद्र का अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को चिन्हित करने का निर्देश

एजेंसी
**रांची।** केंद्रीय गृह मंत्रालय ने झारखंड के मुख्य सचिव को पत्र भेजा है, जिसमें झारखंड में अवैध तरीके से रहने वाले बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है। पत्र में यह भी निर्देश दिया कि है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या को चिन्हित करने के लिए राज्य के हर जिले में स्पेशल टास्क फोर्स का गठन करें। उसके बाद एक होल्डिंग सेंटर बनाएं। दरअसल, झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों की पहचान कर उन्हें समूह में देश से बाहर भेजने की कवायद शुरू की गई है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को देश से बाहर भजेने के लिए बड़ी कार्रवाई शुरू की गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को डिपोर्ट करने के लिए प्रोसीजर बनाया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी किए गए पत्र में लिखा गया है कि केंद्र के पास संघीय पुलिसिंग की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में सभी राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे अवैध प्रवासियों की पहचान कर उन्हें

चिन्हित जगह पर रखें और फिर डिपोर्ट की कार्रवाई शुरू करें। चिन्हित प्रवासियों के मूवमेंट पर रोक लगाना राज्य सरकार के अधीन होगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से लिखे गए पत्र में यह भी बताया गया है कि अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को डिपोर्ट करने के लिए एक होल्डिंग सेंटर का निर्माण करें। होल्डिंग सेंटर में ही चिन्हित किए गए बांग्लादेशी और रोहिंग्या को लाकर रखना है। होल्डिंग सेंटर में जांच पड़ताल पूरी करने के बाद उन्हें बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स को सौंपा जाएगा। इसके बाद संबंधित देश को उनके नागरिकों को सौंपा जाएगा। इस दिशा में कार्रवाई के लिए केंद्र की ओर से पत्र मुख्य सचिव के स्तर से पुलिस मुख्यालय और सभी जिलों को भी भेजा गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह आदेश दिया है कि यदि संदिग्ध बांग्लादेशी या म्यांमार का नागरिक (रोहिंग्या) खुद को भारतीय नागरिक होने का दावा करता है और वह किसी अन्य राज्य में रह रहा हो, तो संबंधित राज्य सरकार गृह सचिव और जिला कलेक्टर या जिला मजिस्ट्रेट को, जहां से संदिग्ध व्यक्ति आने का दावा करता है।

## राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी
**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और राष्ट्र की सेवा में अनेक वर्षों तक काम करने की कामना करती हूं।पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, हमारे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। उन्हें हमारे संविधान का बहुत ज्ञान है, जो एक अग्रणी वकील के रूप में उनके वर्षों के काम से झलकता है। उन्होंने राज्यसभा की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सराहनीय प्रयास किए हैं। समाज सेवा के प्रति उनकी रुचि भी बहुत अधिक है। ईश्वर करे कि वे दीर्घायु और स्वस्थ जीवन जिएं। दूसरे पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्हें उनके राजनेता जैसे दृष्टिकोण और जनसेवा के प्रति जुनून के लिए व्यापक रूप से सम्मान दिया जाता है। कई मुद्दों पर उनकी बुद्धिमत्ता और अंतर्दृष्टि महान शक्ति का स्रोत है। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। भारतीय संविधान के बारे में उनके अद्भुत ज्ञान के लिए जाने जाते हैं, उनकी बुद्धिमत्ता और दृढ़ता की भी प्रशंसा की जाती है। हमारा राष्ट्र उनके अथक प्रयासों और दूरदर्शिता के लिए आभारी है। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करे।

## भारतीय सेना ने किया भारत-पाक के बीच सीजफायर खत्म होने की खबर का खंडन

एजेंसी
**नई दिल्ली।** भारतीय सेना ने उन अफवाहों का खंडन कर दिया है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर खत्म हो रहा है। भारतीय सेना ने कहा कि यह महज बस अफवाह है और सीजफायर खत्म नहीं हो रहा है। भारतीय सेना ने कुछ मीडिया हाउस के इस दावे का खंडन किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर रविवार को समाप्त हो रहा है। इसके अलावा, भारतीय सेना ने भारत और पाकिस्तान के बीच कथित तौर पर डीजीएमओ स्तर की वार्ता पर भी स्पष्टीकरण दिया है।

भारतीय सेना की ओर से रविवार को कहा गया है कि कुछ मीडिया हाउस में यह रिपोर्ट चल रही है कि आज भारत-पाक सीजफायर खत्म हो रहा है। जबकि, ऐसा नहीं है। ऐसी खबरें पूर्ण रूप से गलत हैं। वहीं, डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) स्तर की बातचीत पर सेना ने कहा कि आज कोई बातचीत निर्धारित नहीं की गई है। सेना ने साफतौर पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 12 मई को भारत-पाक के डीजीएमओ के बीच जो सीजफायर को लेकर बातचीत

हुई, उसमें कोई समाप्ति तिथि निर्धारित नहीं की गई है। यानी यह अनिश्चित काल तक जारी रहेगा। ज्ञात हो कि भारत-पाक के सीजफायर को लेकर कुछ मीडिया संस्थानों की ओर से खबरें चलाई गई कि आज भारत-पाक के डीजीएमओ स्तर की बातचीत होनी है और इसका मुख्य उद्देश्य भारत-पाक के सीजफायर खत्म होने को लेकर है। हालांकि, भारतीय सेना ने इन सभी खबरों को झूठा करार दिया है। बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में ऑपरेशन सिंदूर चलाकर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया। बॉर्डर से सटे शहरों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल दागे गए। लेकिन, भारतीय डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के सभी ड्रोन और मिसाइल को हवा में ही नाकाम कर दिया। सेना ने पाकिस्तान की हर नापाक हरकत का मुंहतोड़ जवाब दिया।

# पार्षदों को काम कराने के लिए बजट नहीं मिला, पार्टी नेतृत्व अनुभवहीन - मुकेश गोयल

एजेंसी
**नई दिल्ली,** । आम आदमी पार्टी (आप) को नगर निगम में बड़ा झटका लगा है। 15 निगम पार्षदों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा देते हुए पार्टी से नाता तोड़ लिया है। इन सभी पार्षदों ने एक नया राजनीतिक मंच बनाने का ऐलान किया है, जिसका नाम 'इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी' रखा गया है। इस्तीफा देने वालों में शामिल पार्षद मुकेश गोयल ने मीडिया से बातचीत करते हुए पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए। मुकेश गोयल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि हम आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर आए थे और उस समय हमें 250 में से 135 सीटें मिली थीं, लेकिन आज हमारी संख्या धीरे-धीरे घटकर 90 के आसपास पहुंच गई है। आखिर इसकी वजह क्या है? गोयल ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने सत्ता में आने के बाद निगम पार्षदों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि हमने ढाई साल सत्ता में रहकर कोई काम नहीं किया। हमें कोई बजट नहीं मिला, संसाधन नहीं मिले। निगम पार्षदों को कोई फंड नहीं दिया गया। हमारे पार्षद हर तरफ से परेशान हैं। जब हम अपने क्षेत्र में जाते हैं, तो जनता सवाल करती है और हमारे पास जवाब नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी नेतृत्व अनुभवहीन हो गया है और वरिष्ठ पार्षदों की कोई सुनवाई नहीं होती। साल में एक-दो बार बैठक होती है और उसमें भी पार्षदों को धमकाया जाता है कि जिसे जहां जाना है, चला जाए।बता दें कि हेमचंद, हिमानी जैन, रुनाक्षी शर्मा, उषा शर्मा, राखी यादव, साहिब कुमार, राजेश कुमार, मनीषा, सुमन समेत 15 पार्षदों ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने वाले पार्षदों ने अब एक नया तीसरा मोर्चा (थर्ड फ्रंट) बनाने का ऐलान किया, जिसका नाम 'इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी' रखा गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इन पार्षदों ने अपने फैसले की जानकारी दी।

## संपादक की कलम से

## विदेश जाएं मोदी का जयगान करें थरूर मगर कांग्रेस छोड़कर

यह समय है देश का पक्ष विदेशों में सही तौर पर रखने का। पाकिस्तान की असलियत दुनिया को दिखाने का। यह बताने का कि हमें और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं रख सकते जैसा प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने संघर्षविराम की अचानक घोषणा करते हुए किया था और उसके बाद लगातार कर रहे हैं। पाकिस्तान आतंकवाद की मदद कर रहा है। हम उसके शिकार हैं।

कांग्रेस मुक्त भारत भी चाहिए और विदेशों में कांग्रेस का ऐसा सांसद भी जो वहां मोदी मोदी कर सके! कभी ऐसा ही कश्मीर में गुलाम नबी आजाद ने किया था। वहां भारत की बात करने के बदले मोदी मोदी का राग अलापा था। नहीं चल पाया। और भाजपा को फिर उनकी कोई और उपयोगिता नहीं दिखी। खतम कर दिया ऐसा कि आज जम्मू-कश्मीर में उनका कोई नाम लेने वाला भी नहीं है।

ऐसे ही इस समय शशि थरूर केरल में उपयोगी दिख रहे हैं जहां अगले साल विधानसभा चुनाव है। जहां असली लोकप्रिय मेट्रो मेन ई श्रीधरन को पिछले चुनाव में बीजेपी एक्सपोज कर चुकी है विधानसभा हरवा कर। इस बार हवा हवाई लोकप्रिय शशि थरूर की असलियत सामने ला दी जाएगी। मगर उससे पहले उनके नाम पर कांग्रेस को विचलित करने की राजनीति शुरू कर दी। कांग्रेस जो पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद से सरकार को पूरा सहयोग देती आ रही थी। कोई राजनीतिक सवाल नहीं कर रही थी उसे आरोप प्रत्यारोप की राजनीति में घसीटने के लिए भाजपा ने विदेशों में जाने वाले भारतीय सांसदों के प्रतिनिधि मंडल में अपनी तरफ से शामिल कर लिया। यह वैसा ही है जैसे एनडीए सरकार में नीतीश या चन्द्रबाबू नायडु द्वारा बनवाए गए मंत्रियों को हटाकर बीजेपी अपनी मर्जी से उनकी पार्टी के किसी को बुलाकर शपथ दिलवा दे।

घर में परिवार के मुखिया के नाम निमंत्रण जाता है। अगर एक का है तो वह डिसाइड करता है कि परिवार से कौन जाएगा। ऐसा तो आज तक नहीं सुना कि बुलाने वाला परिवार के किसी एक खास सदस्य को बुला ले। मगर मोदी अपनी इमेज बचाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने अपनी पार्टी में योग्य और प्रभावशाली लोगों को खतम कर दिया। जसवंत सिंह, यशवंत सिन्हा, अरुण शौरी, आडवानी, मुरली मनोहर जोशी और ऐसे ही तमाम राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय मामलों के जानकार लोगों को किनारे कर दिया। जाहिर है कि इस समय जब मोदी को विदेशों में अपनी इमेज बनाने की जरूरत है तब रमेश विधुड़ी, कपिल मिश्रा या निशिकांत दुबे और इन जैसे बहुत सारे लोग जो 11 सालों में बनाए हैं काम नहीं आएंगे।

उन्हें पढ़े-लिखे लोग ही चाहिए जो उन्होंने अपनी पार्टी से खतम कर दिए। प्रधानमंत्री मोदी को शायद अहसास हो गया होगा कि अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे लोगों का प्रभाव पड़ता है। वे खुद 11 सालों में 72 देश हो आए हैं। कई देशों में कई कई बार। इसे वे खुद भी और गोदी मीडिया भी बड़ी शान से बताते थे कि फलानी जगह पहली बार फलानी जगह इतनी बार। बहुत पहले हर शहर में यह चलता था कि फलाने बाम्बे रिटर्न हैं। और वे बाम्बे अब मुम्बई की फिल्मी दुनिया से असफल वापस लौटने वाले बड़ी शान से वहां के किस्से सुनाते थे।

मगर अभी पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के बाद मोदी के सारे विदेशी दौरों, संबंधों, गले मिलने, माई डियर फ्रेंड ट्रंप कहने की कलई खुल गई। एक देश भी भारत के साथ नहीं आया। क्या विदेश संबंध बनाए इन दौरों ने?

हमारे स्वाभाविक मित्र पड़ोसी राज्य नेपाल और भूटान भी साथ खड़े नहीं हुए। जनता इन सब चीजों को समझ रही है। थोड़ा-थोड़ा बोल भी रही है। पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी की इमेज में जबर्दस्त गिरावट आई है और फिर जब हमारी सेनाएं पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को कड़ा सबक सिखा रही थी तब अचानक किए संघर्षविराम से मोदी की छवि और गिर गई।

अब जो विदेशों में सांसदों के प्रतिनिधिमंडल भेजे जा रहे हैं तो उनका मुख्य उद्देश्य मोदी की छवि को वापस चमकाना है। और यह काम अगर कांग्रेस का एक सांसद शशि थरूर करेगा तो मोदी को लगता है कि उसका ज्यादा प्रभाव पड़ेगा।

यह समय है देश का पक्ष विदेशों में सही तौर पर रखने का। पाकिस्तान की असलियत दुनिया को दिखाने का। यह बताने का कि हमें और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं रख सकते जैसा प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने संघर्षविराम की अचानक घोषणा करते हुए किया था और उसके बाद लगातार कर रहे हैं।

पाकिस्तान आतंकवाद की मदद कर रहा है। हम उसके शिकार हैं। पहलगाम में निर्दोष 26 पर्यटक मारे गए। किसी भी हालत में भारत और पाकिस्तान को समान नहीं कहा जा सकता। दुनिया को यह बताने की जरूरत है।

कांग्रेस ने इसीलिए केन्द्र सरकार द्वारा मांगे गए नामों को यह देखते हुए दिया कि कौन भारत के पक्ष को ज्यादा मजबूती के साथ रख सकता है। चार नाम मांगे थे। वह चार नाम दिए आनंद शर्मा जो विदेश राज्य मंत्री रहे। राज्य सभा के उपनेता रहे। अनुभवी। गौरव गगोई अभी लोकसभा में विपक्ष के उपनेता हैं। मुस्लिम किस तरह पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ है यह बताने के लिए सांसद नासिर हुसैन और इसी तरह सिख किस तरह आतंकवाद के खिलाफ है यह बताने के लिए पंजाब से लोकसभा सांसद अमरिन्दर सिंह राजा वारिंग के नाम दिए।

लेकिन मोदी को वहां अपना नाम चमकाने वाला चाहिए था। अच्छी अंग्रेजी में। नहीं तो वे मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को विदेश भेज देते जो कह रहे हैं कि पूरा देश, पूरी सेना प्रधानमंत्री मोदी के चरणों में नतमस्तक है। मगर उन्हें यही बात थोड़ा इस तरीके से चाहिए कि विदेशों में यह मैसेज जाए कि भारत में एक ही नेता है मोदी और देश में यह आए कि विदेशों में तो मोदी की धूम मची हुई है यहां कौन मोदी के नेतृत्व पर सवाल खड़ा कर रहा है।

## गर्मियों में अचानक होने वाले सिरदर्द को हल्के में न लें, इन बीमारियों का लक्षण

गर्मियों में अचानक सिर दर्द होने लगे तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए. यह सिर दर्द कई गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकता है. गर्मी में अचानक होने वाले सिर दर्द को नजरअंदाज करने से स्थिति गंभीर भी हो सकती है. यदि अचानक सिर दर्द शुरू हो गया है तो तुरंत धूप से हट जाएं और छांव वाली ठंगी जगह पर पहुंचने का प्रयास करें. गर्मी में सिर दर्द क्यों होता है और इसके इलाज के लिए क्या करें, बता रहे हैं एक्सपर्ट.

गर्मी में आमतौर पर अधिक देर तक धूप में रहने या ज्यादा श्रम करने के कारण सिर दर्द होने लगता है. कई बार अचानक सिर में तेज दर्द होने लगता है. यह दर्द कई बीमारियों का प्रारंभिक लक्षण हो सकता है. इनमें माइग्रेन, डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक भी शामिल है. गर्मी में अचानक सिर में दर्द शुरू होना इस बात का संकेत होता है कि आपको आराम और पानी पीने की जरूरत है. सिर दर्द के साथ यदि और भी कुछ लक्षण महसूस हो रहे हों तो इमरजेंसी से बचने के लिए आपको तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए.

**लक्षण और कारण**

गर्मी में डिहाइड्रेशन के कारण होने वाला सिर दर्द आपके पूरे सिर में या सिर्फ एक जगह दर्द हो सकता है. सामान्य तौर पर यह हल्का होता है और यह तेज चुभने वाला भी हो सकता है. जब आप झुकते हैं, अपना सिर हिलाते हैं या इधर-उधर घूमते हैं तो सिरदर्द और भी बदतर हो सकता है. सिर दर्द के साथ अगर आपको बुखार, मलती या चक्कर भी महसूस हो रहे हैं तो यह एक इमरजेंसी स्थिति होती है. यह डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के लक्षण हो सकते हैं. यदि सिर में एक ओर धड़कने वाला सिर दर्द हो रहा है तो यह माइग्रेन के लक्षण हैं।

# आ रहे हैं घर सभी जद में

**– पलाश सुरजन**

इस आग में केवल कुछ बैंक कर्मचारी, डिलीवरी ब्वॉय, ऑटो चालक, बस कंडक्टर, वायुसेना के अधिकारी, मछली व्यापारी या प्रवासी मजदूर ही नहीं झुलस रहे हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता को भारी आघात पहुंच रहा है। कई सदियों से 'अनेकता में एकता' हमारे देश की विशिष्ट पहचान रही है, उसे बनाये रखने के लिए सुविचारित दृष्टि, दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम की जरूरत होती है।

भारतीय समाज में धर्म और जाति की जो महीन और अदृश्य दरारें थीं, बीते कुछ सालों में वे खाई में तब्दील हो चुकी हैं। उन्हें पाटने के उपाय अभी तक सोचे नहीं जा सके हैं और उधर नई दरारें भाषा, खान-पान और प्रांत के नाम पर पैदा करने का काम शुरू हो गया है। दो साल पहले मुंबई के एक उपनगर की बहुमंजिला इमारत में एक मराठी महिला को फ्लैट देने से मना कर दिया था, जिस पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना को दखल देना पड़ा। उस इमारत के अधिकांश रहवासी गुजराती हैं और वे नहीं चाहते थे कि कोई गैर गुजराती वहां आये। ऐसा ही मामला हाल में फिर हुआ जब मुंबई के ही एक और उपनगर में एक गुजराती शख्स ने अपने मराठी पड़ोसी के खान-पान को लेकर पूरे महाराष्ट्रीय समुदाय को गंदा कह दिया। इस पर अच्छा-खासा विवाद खड़ा हो गया, जो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के हस्तक्षेप के बाद शांत हुआ।

मुंबई में मराठी में ही बात करने, दुकानों-कंपनियों के बोर्ड मराठी में ही लगाने पर इस कदर जोर दिया जा रहा है कि हिन्दी या किसी और भाषा में बात करने वालों के साथ बहस और मारपीट तक होने लगी है। पिछले महीने डोम्बिवली इलाके में 'एक्स्क्यूज मी' कहने पर दो महिलाओं को पीट दिया गया। अपने आपको मराठियों का सबसे बड़ा हितचिंतक बताने वाली शिवसेना (यूबीटी) ने मांग की कि रेस्तरां और खाने-पीने के ठियों पर पर मेन्यू कार्ड मराठी भाषा में हों तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकताओं ने बैंकों में सभी डिस्प्ले बोर्ड मराठी में लगवाने और कर्मचारियों से सिर्फ मराठी बोलने के लिए दबाव बनाया और ऐसा न करने पर उन्हें अंजाम भुगतने की धमकियां दीं। एक-दो जगह तो उन पर हमले भी किये गये। इससे परेशान बैंक कर्मचारियों के संगठन ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस को चिी लिखकर सुरक्षा देने की मांग की।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकताओं ने पवई इलाके में एक चौकीदार को भी इसलिए मारा क्योंकि उसे मराठी नहीं आती। इसी तरह एक सुपर बाजार में एक ग्राहक ने वहां के कर्मचारी से मराठी में बात करने के लिए कहा। कर्मचारी के यह कहने पर कि वह केवल हिन्दी में बात कर सकता है, तो ग्राहक ने मनसे से शिकायत कर दी। इसके बाद मनसे के एक नेता ने अपने समर्थकों के साथ सुपर बाजार पहुंचकर कर्मचारी की पिटाई कर दी। मुंबई जैसे बहुभाषी महानगर में मराठी ही बोलने के दुराग्रह का एक और उदाहरण सामने आया है। भांडुप इलाके में एक दंपति ने पिज्जा का ऑनलाइन ऑर्डर दिया और जब डिलीवरी ब्वॉय उनके पास पहुंचा तो उन्होंने यह कहते हुए भुगतान करने से इनकार कर दिया, कि उसे मराठी बोलना नहीं आता। डिलीवरी ब्वॉय से दंपति ने कहा कि पैसे चाहिये तो मराठी बोलनी पड़ेगी। हमारे यहां ऐसा ही है।

ऐसा नहीं है कि मराठी बनाम अन्य भाषा विवाद केवल मुंबई तक सीमित है। इसी साल फरवरी में बेलगावी में लोगों ने मराठी में बात न करने पर कर्नाटक सड़क परिवहन निगम के बस कंडक्टर की पिटाई कर दी थी। इस घटना का असर महाराष्ट्र-कर्नाटक के बीच संचालित बस सेवा पर भी हुआ और आम यात्रियों को तकलीफ उठानी पड़ी। बेलगावी को लेकर कर्नाटक और महाराष्ट्र का झगड़ा कोई 6 दशक पुराना है और यह घटना जिस जगह हुई, वह महाराष्ट्र का सीमावर्ती इलाका है। इसी बेलगावी जिले के जांबोटी में मराठी न बोलने पर कर्नाटक रक्षणा वेदिके के एक नेता की भी पिटाई की गई। दूसरी तरफ कन्नड़ कट्टरपंथी भी कुछ कम नहीं निकले। बीते महीने उन्होंने बेंगलुरु में कन्नड़ न बोलने के कारण भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी और उनकी पत्नी पर हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया।

बेंगलुरु के ही एक वायरल वीडियो में कोई उत्तर भारतीय शख्स एक ऑटो रिक्शा वाले से यह कहते हुए दिखता है, कि 'अगर आप बेंगलुरु में रहना चाहते हैं तो हिन्दी में बात करें।' इस पर ऑटो चालक ने जवाब दिया कि 'आप बेंगलुरु में हैं, कन्नड़ में बात करें। मैं हिन्दी में बात नहीं करूंगा।' इस विवाद से कन्नड़ भाषियों में आक्रोश भड़का तो उस शख्स ने सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली। इस महीने की शुरूआत में मालदा के 40 प्रवासी मजदूर ओडिशा से काम छोड़कर वापस आ गये। उन्होंने बताया कि संबलपुर के कुछ स्थानीय निवासियों ने उन्हें धमकाया, उनके साथ बदसलूकी और मारपीट की। मजदूरों ने आरोप लगाया कि उन पर इसलिए हमला किया गया क्योंकि 'वे बंगाल से थे।' गौरतलब है कि पिछले साल ऐसे ही मामलों को लेकर प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन मांझी को फोन कर कड़ा ऐतराज जताया था।प. बंगाल के निवासियों की पीड़ा यह भी है कि दूसरे प्रांतों के लोग वहां आकर उनकी संस्कृति और परंपराओं को नष्ट-भ्रष्ट कर रहे हैं। इस प्रदेश में दुर्गा पूजा ही प्रमुख त्योहार रही है, लेकिन बीते एक दशक से रामनवमी का जोर बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही सांप्रदायिक तनाव और हिंसा की घटनाएं भी बढ़ी हैं। 'द हिन्दू' की एक खबर के अनुसार, शिक्षाविदों और नागरिक अधिकार कार्यकताओं ने राज्य में 'हिन्दू त्योहारों को हथियार बनाने' पर सवाल उठाये हैं और चिंता जताई है। पश्चिम बंगाल में संघर्ष और सह-अस्तित्व के मुद्दों पर काम करने वाले संगठन-'आमरा एक सचेतन प्रयास' ने 2016 से 2023 की अवधि में प्रदेश में रामनवमी के दौरान पनपे सांप्रदायिक तनाव पर एक रिपोर्ट तैयार की है जिसमें आसनसोल-रानीगंज, हावड़ा और रिशरा में परस्पर टकराव की कई घटनाओं का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि 'तृणमूल कांग्रेस ऐसे जुलूस आयोजित करने या उन्हें सहायता देने और में भाजपा और उसके हिन्दूवादी सहयोगियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है।' महीने भर पहले दिल्ली के चितरंजन पार्क में कुछ लोगों ने एक मंदिर के बगल में मछली की बिक्री पर यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि इससे उनकी भावनाएं आहत हो रही हैं। इस इलाके में बड़ी संख्या में बांग्लाभाषी लोगों की रिहाइश है, वहां मछली बाजार होना अस्वाभाविक तो नहीं हो सकता। दूसरी बात यह कि यह बाजार कोई निजी नहीं, बल्कि दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा स्थापित किया गया है। फिर वह मंदिर भी उसी बाजार के दुकानदारों का बनवाया हुआ है। साल 2023 में अहमदाबाद में पूर्वोत्तर की खाद्य सामग्री बेचने वाली एक दुकान के दो कर्मचारियों पर एक भीड़ द्वारा हमला कर दिया गया था। भीड़ का मानना था कि उस दुकान से मांसाहारी पदार्थ बेचे जाते हैं, जबकि कर्मचारियों का कहना था कि वे पूर्वोत्तर की कुछ खास किस्म की सब्जियां और चावल वगैरह ही बेचते हैं। दोनों कर्मचारी नागालैंड के मूल निवासी थे तो वहां के भाजपा अध्यक्ष और राज्य मंत्री तेमजेन इमना अलोंग ने इस घटना की निंदा की थी और निराशा भी व्यक्त की थी।

फिलहाल, राहत की बात है कि भारी विरोध के चलते मनसे ने अपना आंदोलन रोक दिया है। हालांकि गैर मराठीभाषी लोगों के प्रति अवमानना का उसका भाव तो खत्म होने से रहा। उधर शिवसेना (उद्धव गुट) ने भी कहा है कि वह गैर महाराष्ट्रीय लोगों को प्यार से मराठी सिखायेगी। देखना होगा कि मनसे कब तक इस मुद्दे पर शांत रहती है, मराठी सिखाने के क्या इंतजाम शिवसेना करती है और कितने लोग उसके प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं। याद रहे कि हाल ही में 'संघ' के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी ने कहा था कि मुंबई में रहने के लिए मराठी आना जरूरी नहीं है। इस बयान पर हुए विवाद के बाद उन्हें माफी मांगनी पड़ी थी। कुल मिलाकर यह कहना गलत नहीं होगा कि नफरत और हिंसा की जो आग अल्पसंख्यकों के खिलाफ भड़काई गई थी, वह अब बिना भेदभाव सबको अपनी चपेट में लेने लगी है। और इस आग में केवल कुछ बैंक कर्मचारी, डिलीवरी ब्वॉय, ऑटो चालक, बस कंडक्टर, वायुसेना के अधिकारी, मछली व्यापारी या प्रवासी मजदूर ही नहीं झुलस रहे हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता को भारी आघात पहुंच रहा है। कई सदियों से 'अनेकता में एकता' हमारे देश की विशिष्ट पहचान रही है, उसे बनाये रखने के लिए सुविचारित दृष्टि, दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम की जरूरत होती है। किसी प्रांत में जाकर कुछ देर के लिये वहां की वेशभूषा धारण कर लेना, लोकनर्तकों के साथ कदमताल कर लेना, भाषण में दो-चार वाक्य वहां की भाषा में बोल देना पर्याप्त नहीं है और न ही 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत', 'बंटेंगे तो कटेंगे' या 'एक हैं तो सेफ हैं' जैसे सियासी नारों से कुछ होना जाना है। धर्म, भाषा, खानपान और पहनावे के नाम पर अगर एकरूपता का बुलडोजर चलाया जायेगा, तो यह देश ही नहीं बचेगा।

## बाराती तैयार!

ऑपरेशन सिंदूर की सफल शस्त्रसंधि प्रयोग के बाद मोदी सरकार ने एक और प्रयोग की घंटी बजा दी है। पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों पर प्रकाश डालने के लिए विश्व के कई देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का निर्णय लिया गया है। सरकार ने स्वयं सांसदों की टीम और टीम के नेताओं का चयन किया है। इसलिए सभी दलों के सांसदों को (?) सरकारी खर्च पर विदेश यात्रा का मौका मिलेगा। पहलगाम हमले और ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण के बीच हुई सर्वदलीय बैठकों में विपक्षी दलों की ओर से दो मुख्य मांगें रखी गईं। पहली मांग यह है कि पहलगाम हमले और कश्मीर मुद्दे पर चर्चा के लिए संसद का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाया जाए और प्रधानमंत्री को उस चर्चा में उपस्थित रहना चाहिए। दूसरी मांग यह है कि सरकार के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल कश्मीर जाए और वहां के लोगों को दिलासा व आधार दिया जाए। इन दोनों मांगों की अनदेखी कर सरकार ने ह्यचुनिंदा सर्वदलीयह्ण सांसदों को विदेश यात्रा पर भेजने का निर्णय लिया है। इससे यह साबित हो गया कि मोदी सरकार की पूंछ चाहे जो हो जाए, टेढ़ी ही रहेगी। सरकार ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण और पहलगाम हमले का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रही है। विदेश में प्रतिनिधिमंडल भेजने से पहले इस मुद्दे पर संसद में चर्चा होना जरूरी था। ऐसा नहीं हुआ। ये सांसद विदेश जाकर भारत में पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के बारे में जानकारी देंगे, सवाल यह है कि वास्तव में वे करेंगे क्या? भारत कश्मीर मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने की गलती कर रहा है। इजराइल-हमास युद्ध जारी है और हमास का खात्मा करते समय

**गाजा पट्टी में निर्दोष लोग**

मारे जा रहे हैं। नेतन्याहू साहब ने दुनियाभर में रोना-रोने के लिए अपने प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजे कि हमास वाले इजराइल में घुसपैठ कर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं और रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर में यात्रा करते नहीं दिख रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की व्हाइट हाउस में घुसे और उन्होंने ट्रंप से कहा, ह्यसर, यूक्रेन एक संप्रभु स्वतंत्र राष्ट्र है। हम आज संकट में हैं, लेकिन हमने अपने आत्मसम्मान की कीमत पर आत्मसमर्पण नहीं किया है। हम लड़ेंगे।ह्ण इसके उलट भारत के साथ हुआ। जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध चल रहा था, तब ट्रंप ने वॉशिंगटन से दोनों देशों के बीच युद्धविराम की घोषणा की और भारत को आंखें दिखाईं। ये आतंकवाद ही है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल और उनके नेता अमेरिका जा रहे हैं, क्या वे ट्रंप की घुसपैठ के बारे में सवाल पूछेंगे? विश्वभर में यात्रा करनेवाले प्रतिनिधिमंडलों को यह भी बताना होगा कि भारत द्वारा आतंकवाद से लड़ाई के दौरान इस युद्ध को रोककर ट्रंप ने एक तरह से पाकिस्तान की किस प्रकार मदद की। देश का महत्व और प्रतिष्ठा निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन उस पर राजनीति और गड़बड़-हड़बड़ करना उचित नहीं है। कांग्रेस द्वारा प्रतिनिधिमंडल के लिए दिए गए नामों में शशि थरूर का नाम नहीं था, लेकिन मोदी सरकार ने बदले में थरूर का नाम शामिल कर दिया। थरूर इन दिनों हर दिन मोदी के भजन गा रहे हैं। यह उसका प्रसाद है! कांग्रेस के विरोध को नजरअंदाज कर थरूर को प्रतिनिधिमंडल में शामिल करना एक अलग तरह की राजनीति है। यह महत्वपूर्ण है कि थरूर अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार हैं और राजनीति में आने से पहले उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में काम किया था।

## ऑपरेशन सिंदूर के बाद उपजे हालात

ऑपरेशन सिंदूर सेना के पराक्रम की एक और बड़ी मिसाल और देश की बड़ी उपलब्धि है। इस ऑपरेशन के बाद अमेरिका, इंग्लैंड, तुर्किए, कतर, अजरबैजान, चीन इन तमाम देशों का जो रुख रहा, वह भारत के लिए सुखद नहीं है, लेकिन कम से कम अब हमें यह पता चल गया है कि जिन्हें हम अपना दोस्त या शुभचिंतक देश मानते थे, वे असल में पाकिस्तान के करीबी निकले। भविष्य में विदेश नीति के तहत फैसले लेने में इस सबक को याद रखा जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान का आतंकवाद समर्थित चेहरा भी सामने आया और यह भी पता चल गया कि कश्मीर मसले का अंतराष्ट्रीयकरण करवाने के लिए वह किस तरह मौके तलाशता है। इधर घरेलू मोर्चे पर भी ऑपरेशन सिंदूर के बाद कुछ कड़वी हकीकतें सामने आई हैं, जिन्हें अब नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इनका सामना कर अपनी गलती समझना चाहिए।

देश में सत्तारुढ़ भाजपा ने ऑपरेशन सिंदूर के फौरन बाद नरेन्द्र मोदी को इसका श्रेय देते हुए कई जगहों पर पोस्टर लगवाए, 13 मई से भाजपा देशव्यापी तिरंगा यात्रा भी निकाल रही है, जिसमें सेना के पराक्रम के साथ-साथ नरेन्द्र मोदी की शौर्यगाथा भी सुनाई दे रही है। इधर विपक्ष संसद के विशेष सत्र की मांग बुलाता रह गया, लेकिन मोदी सरकार ने उसका जवाब नहीं दिया और अब सात प्रतिनिधिमंडल बनाए गए हैं, जिनमें सभी दलों के नेता शामिल हैं। ये प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में जाकर बताएंगे कि चरमपंथ पर भारत का क्या रुख है और ऑपरेशन सिंदूर क्यों सही था। संक्षेप में मोदी सरकार का पक्ष रखने सभी दलों के लोग जाएंगे, विपक्ष के भी। पिछले कार्यकाल तक नरेन्द्र मोदी विपक्षमुक्त भारत की बात कहते थे, सरकार से सवाल पूछने पर सौ से ज्यादा विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन दुनिया को बताना है कि भारत में कितना मजबूत लोकतंत्र है, तो अब विपक्ष के सांसदों को भी दल का हिस्सा बनाया गया है। भाजपा ने इसमें कांग्रेस से शशि थरूर को शामिल कर एक सियासी चाल भी चली है। कांग्रेस से जब प्रतिनिधिमंडल के लिए नाम मांगे गए थे, तो उसने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और राजा बरार के नाम थे, लेकिन इनकी जगह शशि थरूर को भाजपा ने रखा। अभी 2 मई को केरल में श्री थरूर ने प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा किया था, तब श्री मोदी ने कहा था कि आज बहुतों की नींद हराम होगी। उस वाक्य के आगे कहानी और कितनी बाकी थी, यह अब दिख रहा है। खैर अब यह शशि थरूर के विवेक पर निर्भर है कि वे अपने दल के साथ संकट के वक्त यह खिलवाड़ होने देते हैं या फिर उस शख्स के साथ खड़े होते हैं, जिसने उनकी पत्नी के लिए 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड जैसा अभद्र बयान दिया था। वैसे इस प्रतिनिधिमंडल को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि इतने बरसों में श्री मोदी जनता के पैसों पर कई देशों की यात्रा करते रहे, मोदी-मोदी के नारे लगते रहे, लेकिन जरूरत पड़ी तो अफगानिस्तान के सिवा कोई देश भारत के साथ खुलकर नहीं खड़ा नहीं हुआ। अब उसी जनता के पैसों पर सांसद विदेशों में जाएंगे, लेकिन क्या इससे भारत का पक्ष मजबूत हो पाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सेना की वाहवाही तो हो रही है, लेकिन इसकी जानकारी देने के लिए कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह का सामने आना भी चर्चा का एक अलग ही मुद्दा बन गया। देश में अधिकतर लोगों ने इसकी तारीफ ही की और लड़कियों की सेना में बढ़ती धमक पर खुशी जाहिर की। लेकिन मध्यप्रदेश में केबिनेट मंत्री विजय शाह और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के अप्रिय बयानों ने बता दिया कि निम्न स्तर की राजनीति के लिए भी सेना को भी नहीं बख्शा जा रहा है।

विजय शाह का मामला तो अदालत में है,

लेकिन अब तक भाजपा का रवैया उन्हें बचाने वाला दिख रहा है। वहीं अशोका विश्वविद्यालय में शिक्षक अली खान महमूदाबाद ने अपनी फेसबुक पोस्ट में ऑपरेशन सिंदूर पर महिला अफसरों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के द्वारा मीडिया ब्रीफिंग को अहम बताया था लेकिन यह भी लिखा था कि अगर यह जमीन पर हकीकत में नहीं बदला तो यह 'पाखंड' होगा। इस पोस्ट को हरियाणा के महिला आयोग ने भारतीय सेना में महिलाओं का अपमान माना और यह कहा कि इससे सांप्रदायिक विद्वेष बढ़ेगा। आयोग ने महमूदाबाद को दिए नोटिस में उनकी इस टिप्पणी को सैन्य कार्रवाइयों को बदनाम करने की कोशिश बताया था। अब हरियाणा पुलिस ने महमूदाबाद को गिरफ्तार कर लिया है। अब यह सोचने वाली बात है कि एक फेसबुक पोस्ट पर शिक्षक को गिरफ्तार किया गया, लेकिन सरकार में मंत्री पद पर बैठे लोग ऐसी कार्रवाइयों से क्यों बचे हुए हैं।

इधर पाकिस्तान से बढ़ रहे तनाव के बीच एक सनसनीखेज खबर आई कि हरियाणा की एक यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को जासूसी करने और संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बताया गया कि ज्योति पाकिस्तानी उच्चायोग के किसी कर्मी से संपर्क में थी और यह भी कि वह दो साल पहले पाकिस्तान गई थी। इस मामले की गहन और ईमानदार जांच होनी चाहिए, लेकिन सोशल मीडिया पर ज्योति के खिलाफ बयानों की भरमार हो गई है और मीडिया ने भी ज्योति के पुराने पोस्ट, ट्रैवल ब्लॉग आदि दिखाकर अपना ट्रायल शुरू कर दिया है। ऐसा ही रिया चक्रवर्ती के साथ किया गया था।

## गाजा में इजराइल ने शुरू किया 'ऑपरेशन गिदोन रथ', बंधकों की रिहाई के लिए हमास पर दबाव बढ़ाया

एजेंसी

**यरुशलम।** इजराइल ने गाजा पट्टी में 'ऑपरेशन गिदोन रथ' नामक एक नया सैन्य अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य हमास पर दबाव बनाकर बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करना है। इस अभियान की घोषणा इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने की। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन पूरी ताकत के साथ संचालित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहले ही संकेत दिया था कि गाजा में हमास को समाप्त करने और बंधकों को छुड़ाने के लिए दबाव और तेज किया जाएगा। यह सैन्य अभियान ऐसे समय में शुरू किया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना मध्य पूर्व दौरा समाप्त किया, लेकिन इस बार वे इजराइल नहीं गए। ट्रंप की यात्रा से पहले कुछ उम्मीदें थीं कि इससे संघर्ष विराम या मानवीय सहायता बहाल हो सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटे में इजराइल हमलों में 150 से अधिक लोगों की मौत हुई है। कुल मिलाकर, 18 मार्च को संघर्षविराम टूटने के बाद से 3,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। हमलों में जबालिया शरणार्थी शिविर में एक घर पर हमला हुआ, जिसमें चार बच्चों की मौत हो गई। दिर अल-बलाह में भी एक महिला और तीन बच्चों सहित कई लोगों की जान गई।

## 'घबराए' पाकिस्तान ने फिर उतारी भारत की 'नकल', बिलावल भुट्टो विदेश में 'शांति प्रतिनिधिमंडल' का करेंगे नेतृत्व

**इस्लामाबाद।** घबराए पाकिस्तान ने भारत की नकल करते हुए अपने प्रतिनिधिमंडल को विदेश भेजने का फैसला किया है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी से विदेशी राजधानियों में तथाकथित अपना 'शांति का मामला' पेश करने को कहा है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान 7 से 10 मई तक चार दिनों तक चली सैन्य झड़प में अपमान का सामना करने वाला पाकिस्तान, भारत के हर कदम को फॉलो कर रहा है। पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नकल करते हुए शहबाज शरीफ ने सेना का हौसला बढ़ाने पहुंचे तो अब भुट्टो से वैश्विक मंच पर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है। इसकी घोषणा करते हुए भुट्टो ने एक्स पर कहा कि शहबाज शरीफ ने उनसे संपर्क किया था, जिन्होंने उनसे एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए कहा था। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'आज सुबह प्रधानमंत्री सीएम शहबाज ने मुझसे संपर्क किया, जिन्होंने अनुरोध किया कि मैं अंतरराष्ट्रीय मंच पर शांति के लिए पाकिस्तान का पक्ष रखने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करूं। मैं इस जिम्मेदारी को स्वीकार करने और इन चुनौतीपूर्ण समय में पाकिस्तान की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।'

## पाकिस्तान में भुखमरी: गंभीर खाद्य असुरक्षा से प्रभावित हो सकते हैं एक करोड़ से ज्यादा लोग, यूएन की रिपोर्ट

**इस्लामाबाद।** संयुक्त राष्ट्र की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि नवंबर 2024 से मार्च 2025 तक पाकिस्तान में गंभीर खाद्य असुरक्षा (भुखमरी) बनी रही। रिपोर्ट में बताया गया कि करीब 1.1 करोड़ लोगों को इस असुरसामना करना पड़ सकता है। पाकिस्तानी अखबार की खबर में यह जानकारी दी गई। एफएओ की 'खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट-2025' के मुताबिक, पाकिस्तान के 68 ग्रामीण जिले की 22 फीसदी आबादी को गंभीर खाद्य संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसमें खासकर बाढ़ प्रभावित बलूचिस्तान, सिंध और खैबर पख्तूनख्वा भी शामिल हैं। इसमें से 17 लाख लोग आपात स्थिति में हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 में भूखमरी की स्थिति का सर्वेक्षण किया गया था, तब 3.67 करोड़ लोगों को इसमें शामिल किया गया था। लेकिन 2025 में 5.08 करोड़ लोगों को इसमें शामिल किया गया। इसमें 25 और जिलों को शामिल किया गया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मौसम की चरम स्थितियां (जैसे बाढ़, सूखा) लोगों की आजीविका को प्रभावित करेंगी। हालांकि, पिछले साल की तुलना में स्थिति कुछ बेहतर रहेगी।

## उत्तरी मेक्सिको में घर में आग लगने से 7 की मौत

**मेक्सिको सिटी।** उत्तरी मेक्सिको के कोआहुइला राज्य के साल्टिलो शहर मेंसुबह एक घर में आग लगने से पांच बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। आग सुबह करीब 4 बजे लगी और घर के अंदर कॉस्मेटिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एसीटोन, सॉल्वेंट्स और पेंट जैसे ज्वलनशील पदार्थों के कारण तेजी से फैल गई।

अधिकारियों ने पीड़ितों की पहचान 64 और 28 वर्ष की दो महिलाओं और पांच से 15 वर्ष की आयु के पांच बच्चों के रूप में की है। तीन अन्य घायल हो गए और उन्हें स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। जांचकर्ताओं का मानना है कि आग संभवतः एक मोमबत्ती के ज्वलनशील उत्पादों के संपर्क में आने से लगी थी। अग्निशमन दल, पुलिस और आपातकालीन दल घटनास्थल पर पहुंचे और आग बुझाई।

# न्यूयॉर्क में मैक्सिकन जहाज पुल से टकराया, 2 की मौत, कई घायल

एजेंसी

**न्यूयॉर्क।** न्यूयॉर्क में उत्सव मनाने जा रहा मैक्सिकन नौसेना का एक विशाल जहाज शनिवार शाम (स्थानीय समयानुसार) को ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। समाचार एजेंसी के अनुसार, कथित तौर पर यह जहाज मैक्सिकन सेना का कुआउथेमोक था। इसमें 277 लोग सवार थे। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई जबकि 19 घायल हैं, 4 की हालत गंभीर है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो से पता चलता है कि जहाज का 147 फुट लंबा ऊपरी हिस्सा पुल के नीचे से सुरक्षित रूप से नहीं गुजर सकता था। ट्रैफिक ज्यादा था, इस वजह से हादसा हुआ। टक्कर जोरदार नहीं थी, नहीं तो कई और लोगों की जान जा सकती थी। हालांकि घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल था। मौके

पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने प्रेस कांफ्रेंस करके इस घटना की पुष्टि की। अधिकारियों ने मरने वाले दो चालक दल के सदस्यों के नाम जारी नहीं किए हैं। अग्निशमन अधिकारियों ने मोटर चालकों को चेतावनी दी कि वे ब्रुकलिन में न्यू डॉक स्ट्रीट और वॉटर स्ट्रीट के नजदीक ट्रैफिक जाम से जूझ सकते हैं। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट डालते हुए लोगों को इस घटना के संबंध में जानकारी देते हुए चेताया भी है। पोस्ट में बताया गया है, ÷भारी यातायात और महत्वपूर्ण आपातकालीन दल की मौजूदगी के कारण ब्रुकलिन ब्रिज के आसपास के क्षेत्रों का रुख करने से बचना चाहिए।÷ अमेरिकी मीडिया के मुताबिक इस सूचना के बाद ब्रुकलिन ब्रिज की सभी लेन दोनों दिशाओं में बंद कर दी गई थीं, बाद में इसे जनता के लिए फिर से खोल दिया गया। जिस पुल से मैक्सिकन जहाज टकराया है उसका नाम सस्पेंशन ब्रिज है। इसे अमेरिका के मशहूर पर्यटन स्थलों में गिना जाता है। ब्रुकलिन और मैनहट्टन नदी पर यह पुल 1883 में बना था।

## कोलंबिया ने चीन-नीत ब्रिक्स बैंक में शामिल होने के लिए आवेदन किया

एजेंसी

**शंघाई/बोगोटा।** कोलंबिया ने चीन के नेतृत्व में संचालित न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) में सदस्यता के लिए आवेदन किया है। यह कदम लैटिन अमेरिकी देशों की बदलती विदेश नीति की दिशा की ओर संकेत करता है, जिसमें वे अब पारंपरिक अमेरिकी प्रभाव से हटकर चीन जैसे उभरते वैश्विक शक्ति केंद्रों की ओर रुख कर रहे हैं। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने हाल ही में अपने चीन दौरे के दौरान शंघाई में ब्राजील की पूर्व राष्ट्रपति और एनडीबी की प्रमुख दिल्मा रूसेफ से मुलाकात की। पेट्रो ने घोषणा की कि उनका देश इस बहुपक्षीय विकास बैंक में 512 मिलियन अमेरिकी डॉलर के शेयर खरीदेगा। राष्ट्रपति पेट्रो ने विशेष रूप से उस 120 किलोमीटर लंबे नहर या रेलवे परियोजना का ज़िक्र किया जो कोलंबिया के अटलांटिक और प्रशांत महासागर के तटों को जोड़ने के लिए प्रस्तावित है। उन्होंने इसे दक्षिण अमेरिका और एशिया के बीच व्यापार के लिहाज से रणनीतिक कड़ी बताया और आशा जताई कि एनडीबी से इस परियोजना को वित्तीय सहयोग मिलेगा। कोलंबिया एनडीबी में सदस्यता के लिए आवेदन करने वाला लैटिन अमेरिका का दूसरा देश है। इससे पहले 2021 में उरुग्वे ने इस बैंक में शामिल होने की इच्छा जताई थी। हालांकि, कोलंबिया का यह कदम वॉशिंगटन में चिंता का कारण बन सकता है, क्योंकि यह देश अब तक अमेरिका का प्रमुख सहयोगी और वॉर ऑन ड्रग्स अभियान का समर्थनकर्ता रहा है। इस बीच, अमेरिकी विदेश विभाग ने स्पष्ट किया है कि वह लैटिन अमेरिका में चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) से जुड़ी परियोजनाओं के लिए किसी भी तरह की फंडिंग का विरोध करेगा।

## चीन की विमान कंपनियों ने नेपाल का कानून मानने से क्या इनकार, सरकार को नहीं देतीं टैक्स

एजेंसी

**काठमांडू।** चीन की विमान कंपनियां नेपाल के नियम कानून को नहीं मानती हैं। नेपाल आने वाले सभी विमानों की कंपनियां यहां की सरकार को टैक्स देती हैं, लेकिन चीन की कोई भी एयरलाइंस नेपाल सरकार को टैक्स नहीं देती हैं।

नेपाल के ऑडिटर जनरल ने बीते दिनों अपनी वार्षिक रिपोर्ट सार्वजनिक की है। इसमें नेपाल में उड़ान भरने वाले चार चीनी एयरलाइंस कंपनियों के द्वारा सरकार के तरफ से निर्धारित टैक्स को नहीं देने पर सवाल खड़े किए हैं। सरकार को सौंपी गई इस रिपोर्ट के मुताबिक एयर चाइना, साउदर्न चाइना एयरलाइंस, चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस और सिचुवान एयरलाइंस ने नेपाल सरकार के द्वारा निर्धारित टैक्स नहीं दिया है। ऑडिटर जनरल की रिपोर्ट में इस बात का भी उल्लेख है कि इन चारों चीनी एयरलाइंस कंपनियों से अन्य विदेशी एयरलाइंस की तरह टैक्स वसूला जाए। इसके मुताबिक दिसंबर 2024 तक इन चार चीनी एयरलाइंस कंपनी ने नेपाल सरकार को टैक्स नहीं देने से करीब 400 करोड़ रूपये का घाटा हुआ है। उन्होंने नेपाल सरकार को जल्द से

जल्द टैक्स लेने अन्यथा इन विमान कंपनियों की सेवा सुविधा को बंद करने को कहा है। वित्त मंत्रालय में राजस्व सचिव रहे दिनेश घिमिरे ने कहा कि मंत्रालय के तरफ से बार बार चारों चीनी एयरलाइंस कंपनियों को टैक्स देने को लेकर पत्राचार किया गया, लेकिन उनके तरफ से कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में तो चीनी राजदूत ने मंत्रालय में आकर टैक्स नहीं देने की बात की थी। चीनी राजदूत का कहना था कि चीन सरकार का नियम है विश्व में कहीं भी किसी भी एयरपोर्ट पर लैंड करने और उड़ान करने के लिए अतिरिक्त टैक्स या वैल्यू एडेड टैक्स (VAT) नहीं देना पड़ता है। फिर नेपाल में क्यों दिया जाए।

## व्हाइट हाउस में लश्कर के संदिग्ध आतंकी की एंट्री, बनाया गया बोर्ड सदस्य

एजेंसी

**वाशिंगटन,।** अमेरिका के व्हाइट हाउस में एक ऐसे व्यक्ति की तैनाती हो गई है, जो कि लश्कर का संदिग्ध आतंकवादी रहा है। व्हाइट हाउस की एडवाइजरी बोर्ड आफ ले लीडर्स में इस संदिग्ध इस्लामिक आतंकवादी को शामिल किया गया है। इन नियुक्तियों ने जहां भारत के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय जगत में चिंता पैदा कर दी है, वहीं दक्षिणपंथी कार्यकर्ता लारा लूमर भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रम्प के प्रशासन से खासे खफा हैं। दरअसल अमेरिका प्रशासन ने बीते व्हाइट हाउस की एडवाइजरी बोर्ड आफ ले लीडर्स का गठन किया। इसमें इस्माइल रायर और मुस्लिम स्कालर शेख हमजा यूसूफ को भी नामित किया गया। कथित तौर पर इस्माइल रायर के इस्लामी जिहादियों से संबंध रहे हैं। दावा है कि इस्माइल रायर पहले रेंडेल रायर के नाम से जाना जाता था। कथित तौर पर इसके संबंध पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से रहे हैं। आरोप है कि रायर ने वर्ष 2000 में पाकिस्तान

> व्हाइट हाउस की एडवाइजरी बोर्ड आफ ले लीडर्स में इस संदिग्ध इस्लामिक आतंकवादी को शामिल किया गया है।

में हुए लश्कर के ट्रेनिंग सेंटर में भाग लिया था और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में भी शामिल रहा है। दूसरे नामित सदस्य शेख हमजा यूसूफ मुस्लिम स्कालर होने के साथ ही जायतूना कालेज के सह संस्थापक हैं। उन पर भी कथित तौर पर इस्लामिक कट्टरपंथियों से संबंध रखने के आरोप हैं। दक्षिणपंथी कार्यकर्ता लारा लूमर ने इस्माइल रायर की तैनाती पर खासी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने इसे अमेरिकी प्रशासन का एक आत्मघाती कदम बताते हे कहा इस्माइल रायर लश्कर ए तैयबा के आतंकी कैंप में ट्रेनिग ले चुका है। उसने कश्मीर में भारतीय ठिकानों पर फायरिंग जैसी गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। अमेरिका की अदालत ने भी 2004 में रायर को आतंकवादी गतिविधियों के लिए दोषी पाते हुए 20 साल की सजा सुनाई थी। इसमें उसने 13 साल जेल में बिताए हैं। रायर ने वर्ष 2003 में मिडिल ईस्ट फोरम के साथ एक इंटरव्यू में कबूल किया था कि मुझे लश्कर के लोग पसंद आए। यह एक चरमपंथी समूह नहीं हैं।

## अमेरिका के मिसौरी और केंटकी राज्यों में भीषण तूफानों ने ली 21 लोगों की जान

एजेंसी

**वाशिंगटन।** अमेरिका के मिसौरी और केंटकी राज्यों में आए भीषण तूफानों और बवंडरों (टॉर्नेडो) ने भारी तबाही मचाई है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इन तूफानों में कम से कम 21 लोगों की मौत हुई है, जबकि काफी लोग घायल हुए हैं।केंटकी के गवर्नर एंडी बेशियर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है। लॉरिल काउंटी में एक बवंडर ने जमकर तबाही मचाई, जिससे कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। शेरिफ जॉन रूट के कार्यालय ने बताया कि क्षेत्र में बचाव अभियान अब भी जारी है और मलबे में फंसे लोगों की तलाश की जा रही है। सेंट लुइस की मेयर कारा स्पेंसर ने शहर में 5 लोगों की मौत की पुष्टि की है और बताया कि तूफान से 5,000 से अधिक घर प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, हमारा शहर शोक में डूबा है। यह नुकसान वास्तव में दिल दहला देने वाला है। स्कॉट काउंटी, जो सेंट लुइस से लगभग 209 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है, वहां भी एक बवंडर ने कहर बरपाया है। शेरिफ डेरेक व्हीटली ने बताया कि इस इलाके में 2 लोगों की जान चली गई, कई लोग घायल हुए और अनेक घर पूरी तरह तबाह हो गए। तूफानों का यह सिलसिला केवल इन दो राज्यों तक सीमित नहीं रहा। विस्कॉन्सिन, इलिनॉय, टेक्सास, इंडियाना, और फ्लोरिडा जैसे राज्यों में भी मौसम का भीषण कहर देखने को मिला। शिकागो क्षेत्र में धूल भरी आंधी की चेतावनी जारी की गई, जिससे दृश्यता बेहद कम हो गई। इस बीच टेक्सास के सैन एंटोनियो और ऑस्टिन शहरों में भीषण गर्मी ने जनजीवन को प्रभावित किया है। तापमान 35 से 40.5 डिग्री सैल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने हीट एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों से सावधानी बरतने और हाइड्रेटेड रहने की अपील की है।

# डोनाल्ड ट्रंप ने शांति स्थापित कराने का झूठा दावा किया : अली खामेनेई

एजेंसी

**तेहरान।** ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाल में किए उस दावे को 'झूठा' करार दिया है। ट्रंप ने कहा था कि वह शांति सुनिश्चित करने के लिए अपने 'पावर' का इस्तेमाल करना चाहते हैं। खामेनेई ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि गाजा पट्टी में हो रही हत्याओं को ट्रंप प्रशासन का समर्थन प्राप्त है।अयातुल्लाह अली खामेनेई ने तेहरान में शिक्षकों के साथ एक बड़ी बैठक की। इस बैठक में उन्होंने पश्चिम एशिया के अपने दौरे के दौरान क्षेत्र में शांति की स्थापना के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया दी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ईरना के अनुसार, तेहरान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, 'क्षेत्र की अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणियां वक्ता और अमेरिकी राष्ट्र दोनों का अपमान

हैं।' ईरानी नेता ने कहा, 'ट्रंप ने कहा कि वह शांति के लिए अपनी शक्ति का उपयोग करना चाहते हैं और यह उन्होंने झूठ बोला। उन्होंने, अन्य अमेरिकी अधिकारियों और अमेरिकी प्रशासन ने गाजा में हत्याओं को पूरा समर्थन दिया, उन्होंने किसी भी स्थान पर युद्ध भड़काने और अपने भाड़े के सैनिकों का समर्थन करने के लिए सत्ता का इस्तेमाल किया है। अली खामेनेई ने इजरायल पर दिए अपने पूर्व के बयानों को दोहराया और उसे क्षेत्र का घातक और खतरनाक कैंसर बताते हुए उखाड़ फेंके जाने की आवश्यकता बताई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्रीय देशों के दृढ़ संकल्प और प्रयासों के साथ, अमेरिका को इस क्षेत्र को अवश्य छोड़ना चाहिए। इस सप्ताह की शुरुआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में स्थित तीन खाड़ी अरब देशों - सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया था। सऊदी की राजधानी रियाद में दिए एक बयान में ट्रंप ने ईरान को मध्य पूर्व में 'सबसे विनाशकारी शक्ति' बताया था और उस पर क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। ट्रंप ने यह भी कहा था कि अमेरिका ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा।

# फिलिस्तीन और मिस्त्र की इजरायल से अपील, तुरंत रोके 'गाजा' पर हमले

एजेंसी

**बगदाद।** फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास और मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने गाजा पट्टी में तत्काल और स्थायी युद्धविराम का आग्रह किया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इराक की राजधानी बगदाद में आयोजित 34वें अरब लीग शिखर सम्मेलन में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इजरायली सैन्य अभियानों को रोकने और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए अरब योजना को अपनाने का आह्वान किया। अब्बास ने इस बात पर जोर दिया कि इजरायली कब्जे को समाप्त करके और फिलिस्तीनी लोगों के पूर्ण अधिकारों को सुनिश्चित करके ही स्थायी शांति

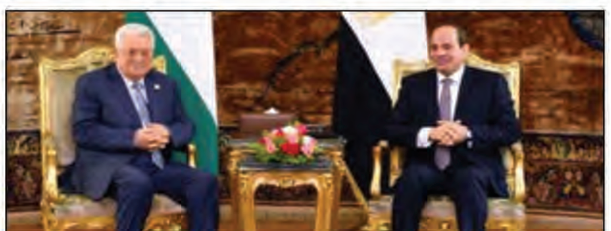

प्राप्त की जा सकती है। मार्च में युद्धविराम का समझौता टूटने के बाद से इजरायल ने गुरुवार से अब तक सबसे घातक बमबारी में सैकड़ों फिलिस्तीनियों को मार डाला। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को मध्य पूर्व का दौरा समाप्त किया। मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने पिछले 19 महीने से गाजा में फिलिस्तीनियों पर किए गए 'अत्याचार और हिंसा' की कड़ी निंदा करते हुए हिंसक अभियान का उद्देश्य गाजा की आबादी को समाप्त करना बताया। अल-सीसी ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से अमेरिका से गाजा में मानवीय संकट को समाप्त करने के लिए कड़े कदम उठाने का अनुरोध किया। उन्होंने शत्रुता समाप्त होने के बाद गाजा की शीघ्र पुनर्प्राप्ति और पुनर्निर्माण के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने की मिस्त्र की प्रतिबद्धता भी दोहराई। शिखर सम्मेलन की समाप्ति के बाद, गाजा में हमास संचालित मीडिया कार्यालय ने उपस्थित लोगों से गाजा पर अन्यायपूर्ण नाकाबंदी को तोड़ने और प्रतिदिन होने वाली हत्याओं को रोकने का आह्वान किया। गाजा के लोग अब भुखमरी के खतरे का सामना कर रहे हैं। इसके लिए क्रॉसिंग को तत्काल और बिना शर्त खोलने, गाजा के लोगों को भोजन, मानवीय सहायता और चिकित्सा सहायता पहुंचाने के लिए इजरायल पर दबाव बढ़ाने का आग्रह किया गया।

## यूक्रेन संघर्ष: रूबियो और लावरोव के बीच युद्धविराम और कैदियों की अदला-बदली पर अहम चर्चा

एजेंसी

**वाशिंगटन/मॉस्को।** यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में एक अहम कूटनीतिक पहल के तहत अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच महत्वपूर्ण टेलीफोन वार्ता हुई। इस बातचीत में इस्तांबुल में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों के बीच तीन वर्षों में पहली बार हुई प्रत्यक्ष वार्ता के परिणामों पर चर्चा की गई।इस ऐतिहासिक बैठक में दोनों पक्षों ने प्रत्येक ओर से 1,000 युद्धबंदियों की अदला-बदली पर सहमति जताई और संघर्षविराम की संभावित शर्तों पर अपने-अपने प्रस्ताव तैयार करने का निर्णय लिया।यूक्रेन ने इस दौरान राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच सीधी मुलाकात की मांग की। अमेरिका ने इन सकारात्मक संकेतों

का स्वागत किया है। रूसी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि रूबियो ने युद्धबंदियों की अदला-बदली और संघर्षविराम प्रस्तावों की दिशा में उठाए गए कदमों का स्वागत किया और अमेरिका की ओर से शांति स्थापना के प्रयासों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता जताई। वहीं, विदेश मंत्री लावरोव ने कहा कि अमेरिका ने कीव पर वार्ता फिर से शुरू करने के लिए सकारात्मक दबाव डाला है, जिससे राष्ट्रपति पुतिन के वार्ता प्रस्ताव को स्वीकार करना संभव हो सका। उन्होंने इस प्रक्रिया में अमेरिका के सहयोग की सराहना की और आगे भी संयुक्त प्रयासों की इच्छा जताई।बातचीत में दोनों देशों के बीच अन्य क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ और रूसी-अमेरिकी संपर्कों को बनाए रखने पर सहमति बनी। इस बीच, क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संकेत दिया कि यदि वार्ता में कोई ठोस सहमति बनती है तो पुतिन और जेलेन्स्की की मुलाकात संभव है।

## गाजा पट्टी पर इज़रायली हमलों में कम से कम 64 फ़िलिस्तीनी मारे गए

एजेंसी

**गाजा।** गाजा में सिविल डिफेंस ने कहा कि गाजा पट्टी पर इज़रायली हमलों में कम से कम 64 फ़िलिस्तीनी मारे गए। सिविल डिफेंस के प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि इज़रायली तोपखाने ने गाजा शहर के पूर्व में शुजाय्या पड़ोस में अपने घरों तक पहुँचने की कोशिश कर रहे फ़िलिस्तीनियों के एक समूह पर गोलाबारी की, जिसमें सात युवक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। श्री बसल ने कहा कि इज़रायली हवाई हमले में एक महिला और दो बच्चों सहित चार लोग मारे गए, जिसमें सलाह अल-दीन स्कूल के गेट को निशाना बनाया गया, जिसमें गाजा शहर के पश्चिम में विस्थापित परिवार रहते हैं, जबकि शहर के उत्तर में एक आवासीय अपार्टमेंट पर हवाई हमले में पाँचवाँ व्यक्ति मारा गया। श्री बसल के अनुसार, फिलिस्तीनी सभा पर हुए हमलों में कम से कम 11 लोग मारे गए, जबकि मध्य गाजा पट्टी के डेर अल-बलाह शहर में मानवीय सहायता वितरित करने वाले गोदाम पर इजरायली हवाई हमले में नौ अन्य लोग मारे गए।

# स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को समन

एजेंसी

**काठमांडू।** नेपाल की एंटी करप्शन ब्यूरो की तरफ से कथित जमीन घोटाले में स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को समन भेजा गया है। नेपाल सरकार द्वारा आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा शोध संस्थान बनाने के लिए पतंजलि ट्रस्ट नेपाल को सरकारी जमीन दी गई थी। इस जमीन की खरीद-बिक्री से संबंधित गड़बड़ियों की जांच चल रही है। इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो की तरफ से पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल से भी पूछताछ की जा चुकी है। नेपाल के कंपनी रजिस्ट्रार के दफ्तर में पतंजलि योगपीठ नेपाल और पतंजलि ट्रस्ट नेपाल दोनों ही कंपनियों को गैर नाफामुलक कंपनी के रूप में रजिस्टर्ड किया गया है। इन दोनों ही कंपनियों में स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण संचालक समिति में हैं जबकि नेपाल की तरफ से शालीग्राम सिंह संचालक समिति में हैं। ब्यूरो के तरफ से प्रवक्ता राजेन्द्र पौडेल ने बताया कि संचालक समिति में होने के कारण रामदेव और

बालकृष्ण को समन भेजा गया था लेकिन उनकी तरफ से जून के आखिरी सप्ताह में यह जवाब आया कि नेपाल में हुई सभी खरीद-बिक्री के लिए स्थानीय प्रतिनिधि शालिग्राम सिंह जवाबदेह हैं इसलिए कानूनी रूप से उनसे ही पूछताछ की जाए। नेपाल सरकार ने कैबिनेट की मंजूरी के साथ पतंजलि योगपीठ नेपाल और पतंजलि ट्रस्ट नेपाल कॉन्जमिन हदबंदी की छूट देते हुए जमीन का आवंटन किया था। आयुर्वेद विश्वविद्यालय, आयुर्वेद शोध संस्थान, योग महाविद्यालय तथा अन्य प्रयोजन के लिए बनेपा जिले में में 61 बीघा, दांग जिले मे 75 बीघा, 22 बीघा, स्यांगजा जिले में 18 बीघा, चितवन में 15 बीघा, जनकपुर में 25 बीघा, बारा और परसा जिले में 50 बीघा और काठमांडू में 11 बीघा जमीन पतंजलि योगपीठ और पतंजलि ट्रस्ट ने अपने नाम पर खरीदा। इसके दो वर्ष के बाद ही पतंजलि ट्रस्ट नेपाल ने बनेपा में सहूलियत में मिले 61 बीघा जमीन को महंगे दाम पर बेच कर कहीं और जमीन की खरीद की। तत्कालीन नेपाल सरकार ने इस खरीद-बिक्री को अनुमति प्रदान कर दी थी लेकिन नेपाल के जमीन खरीद बिक्री कानून के मुताबिक सरकार द्वारा आवंटित जमीन की बिक्री नहीं हो सकती है। पतंजलि नेपाल के ट्रस्टी शालिग्राम सिंह की दलील है कि नेपाल सरकार के कैबिनेट से पास होने के बाद जमीन की खरीद-बिक्री की गई है इसलिए इसमें पतंजलि ट्रस्ट और स्वामी रामदेव एवं आचार्य बालकृष्ण को जबरन घसीटा जा रहा है।

## दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े फाफ डुप्लेसिस और ट्रिस्टन स्टब्स

एजेंसी

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के दूसरे चरण से पहले दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को बड़ी राहत मिली है। टीम के उपकप्तान फाफ डुप्लेसिस और मिडल ऑर्डर बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स फिर से स्क्वॉड में शामिल हो गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की। फ्रेंचाइज़ी ने यह भी जानकारी दी कि ऑस्ट्रेलियाई पेसर मिचेल स्टार्क और साउथ अफ्रीकी ऑलराउंडर डोनोवन फरेरा फिलहाल टीम के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। स्टार्क इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने अब तक 11 मैचों में 26.14 की औसत से 14 विकेट झटके हैं। फ्रेंचाइज़ी ने दोनों खिलाड़ियों के फैसले का सम्मान करते हुए उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। इस बीच बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से 18 से 24 मई तक के लिए दिल्ली कैपिटल्स के साथ खेलने की अनुमति मिल गई है। दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को मुस्तफिजुर को ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मकगर्क के स्थान पर टीम में शामिल किया है, जो अब सीजन के बाकी मैचों के लिए अनुपलब्ध रहेंगे।

## प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 की नीलामी से पहले रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी

**मुंबई।** प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) ने सीजन 12 के लिए रिटेन किये गए खिलाड़ियों की सूची जारी की। सीजन 12 की नीलामी 31 मई और एक जून को मुंबई में आयोजित की जाएगी। अधिकांश फ्रेंचाइजियों ने अपने मुख्य खिलाड़ियों को रिटेन किया है और अब वे आगामी सीजन के लिए और भी मजबूत टीम बनाने की तैयारी में हैं। प्रमुख रिटेन्ड खिलाड़ियों में यू मुंबा के सुनील कुमार और आमिर मोहम्मद जफरदानेश, हरियाणा स्टीलर्स के जयदीप डहिया, यूपी योद्धा के सुरेंदर गिल और पुनेरी पलटन के असलम इनामदार व मोहित गोयत शामिल हैं।

इस बार कुल 83 खिलाड़ियों को तीन श्रेणियों में रिटेन किया गया है:

25 खिलाड़ी 'एलीट रिटेन्ड प्लेयर्स' श्रेणी में

23 खिलाड़ी 'रिटेन्ड यंग प्लेयर्स ' श्रेणी में

35 खिलाड़ी 'न्यू यंग प्लेयर्स' श्रेणी में

नीलामी में 500 से अधिक खिलाड़ी उतरेंगे, जिनमें भारत के नामी खिलाड़ी – पवन सहरावत, अर्जुन देशवाल, आशु मलिक और पीकेएल 11 के टॉप रेडर देवांक दलाल शामिल हैं। इसके अलावा, ईरान के दिग्गज फजल अत्राचली और मोहम्मदरेजा शदलूई, साथ ही मनींदर सिंह और प्रदीप नरवाल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी नीलामी में शामिल होंगे।

## सूर्यकुमार यादव का यह पूर्व सीजन उनके सर्वश्रेष्ठ सीजन में से एक है : पूर्व भारतीय बल्लेबाज

**नई दिल्ली ।** भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने *IPL* 2025 सीजन में मुंबई इंडियंस के सीनियर खिलाड़ियों हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा को टीम में वापसी का श्रेय दिया। दिग्गज क्रिकेटर ने आगे कहा कि इन खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौकों पर फ्रैंचाइजी के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बहुमुखी बल्लेबाज सूर्यकुमार का यह IPL करियर का सर्वश्रेष्ठ सीजन है। भारत के टी20 कप्तान ने 12 मैचों में 510 रन बनाए हैं जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। मुंबई के इस बल्लेबाज के पास फिलहाल ऑरेंज कैप है, जबकि गुजरात टाइटन्स के साई सुदर्शन (509 रन) और शुभमन गिल (508 रन) शीर्ष स्थान पर हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली चौथे स्थान पर हैं जो सूर्यकुमार से सिर्फ पांच रन पीछे हैं। हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली टीम की शुरुआत खराब रही और उसने सीजन के अपने पहले मैचों में चार गेम गंवाए। हालांकि पांच बार के चैंपियन ने फिर से वापसी की और लगातार छह मैच जीते लेकिन बारिश से प्रभावित मैच में गुजरात टाइटन्स से तीन विकेट से हार गए। 12 खेलों में 14 अंकों के साथ स्न्ध्र के पास दो गेम शेष रहते प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का एक मजबूत मौका है।

## भारत के खिलाफ श्रृंखला से पहले ईसीबी ने डेटा विश्लेषकों को किया बर्खास्त

**लंदन।** इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से कुछ सप्ताह पहले अपने डेटा विश्लेषकों फ्रेडी वाइल्ड और नाथन लेमन को बर्खास्त कर दिया क्योंकि मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम अंतर्मन पर अधिक भरोसा करना चाहते हैं। इंग्लैंड का नया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र 20 जून को हेडिंग्ले में भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला से शुरू होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, 'इंग्लैंड के दो वरिष्ठ क्रिकेट विश्लेषक नाथन लेमन और फ्रेडी वाइल्ड टीम का साथ छोड़ने जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि राष्ट्रीय टीम आगे चलकर डेटा पर अधिक ध्यान नहीं देगी। लीमन और वाइल्ड क्रमशः इंग्लैंड के वरिष्ठ डेटा विश्लेषक और सीमित ओवरों के विश्लेषक है। दोनों राष्ट्रीय टीम के साथ अपनी भागीदारी समाप्त कर रहे हैं।

# विराट कोहली को सम्मान देने पहुंचे फैंस, आसमान में भी दिखा अद्भुत नजारा

एजेंसी

**बेंगलुरू।** रॉयल चैलैंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबले के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का रोमांच एक बार फिर शुरू हुआ। इसके बाद केकेआर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई, जबकि बेंगलुरु की टीम अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है। बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में यह मैच भले ही न हो पाया हो, लेकिन होम टीम आरसीबी के फैंस अपने चहेते खिलाड़ी विराट कोहली को देखने बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचे थे। फैंस 18 नंबर की सफेद जर्सी पहने स्टेडियम में नजर आए, लेकिन बारिश के चलते वह अपने चहेते खिलाड़ी को खेलते हुए नहीं देख सके। दरअसल हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली पहली बार मैदान पर उतरने

वाले थे, इसलिए एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में विराट को खास सम्मान देने के लिए फैंस सफेद जर्सी में आए थे। आरसीबी ने रविवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर विराट को बड़ी संख्या में देखने पहुंचे फैंस का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, चिन्नास्वामी सफेद हो गया- किंग कोहली के टेस्ट करियर को सम्मान। फ्रेंचाइजी ने आगे लिखा कि विराट कोहली के शानदार टेस्ट करियर को दिल को छू लेने वाला सम्मान देने के लिए प्रशंसक न केवल बड़ी संख्या में बल्कि भावनाओं में भी दिखाई दिए, सफेद कपड़ों में लिपटे हुए - नारे लगाते हुए और विशेष बैनर के साथ, जिसने इसे खेल में एक ऐतिहासिक क्षण बना दिया। दुनिया के सबसे चहेते क्रिकेटर विराट कोहली की विरासत का जश्न मनाया। आसमान में दिखा अद्भुत नजारासोशल मीडिया पर एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बारिश के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के ऊपर से सफेद कबूतरों का एक झुंड जाते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद फैंस कह रहे हैं कि देखो ये सफेद पक्षी भी कोहली के सम्मान में स्टेडियम आए हैं। पक्षियों के झुंड की यह छलक टीम ने भी अपने वीडियो में शेयर की है।

## रोस्टन चेज़ बने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम के कप्तान

एजेंसी

**नई दिल्ली।** वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने स्पिन ऑलराउंडर रोस्टन चेज़ को टेस्ट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है, जबकि जोमेल वॉरिकन को उनका डिप्टी बनाया गया। खास बात यह है कि चेज़ ने पिछले दो साल से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है, बावजूद इसके उन्हें टीम की कमान सौंप दी गई है। सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में बताया कि रोस्टन चेज़ को शुक्रवार को कप्तान नियुक्त किया गया। 33 वर्षीय चेज़ ने 32 वर्षीय क्रैग ब्रैथवेट की जगह ली है, जिन्होंने मार्च में तीन साल तक कप्तानी संभालने के बाद इस पद से इस्तीफा दे दिया था। चेज़ जून और जुलाई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज में टीम की अगुवाई करेंगे। पहला टेस्ट चेज़ के होम ग्राउंड बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेला जाएगा, जो उनके करियर का 50वां टेस्ट भी होगा। उन्होंने 2016 में टेस्ट डेब्यू किया था। सीडब्ल्यूआई ने टेस्ट टीम के नए कप्तान के चयन को लेकर एक मजबूत डेटा-आधारित प्रक्रिया अपनाई, जिसके तहत छह खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। इन खिलाड़ियों में जॉन कैंपबेल, टेवन इमलाक, जोशुआ डा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स, रोस्टन चेज़ और जोमेल वॉरिकन के नाम शामिल थे। इन सभी उम्मीदवारों का मूल्यांकन कई प्रमुख पहलुओं पर किया गया, जिनमें टेस्ट अनुभव, नेतृत्व क्षमता और पूर्व कप्तानी रिकॉर्ड शामिल रहे। इसके बाद चयन प्रक्रिया में एक विस्तृत मूल्यांकन चरण शामिल किया गया, जिसमें नेतृत्व शैली, व्यवहार और भूमिका के लिए उपयुक्तता का आकलन करने के लिए साइकोमेट्रिक टेस्ट भी शामिल था।

## अमेरिका में खेलेंगे ताईक्वांडो खिलाड़ी व प्रयागराज में तैनात सिपाही ऋषी राय

एजेंसी

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग के प्रयागराज पुलिस तैनात सिपाही ऋषी राय 22 जून से 7 जूलाई तक अमेरिका के बर्मिंघम स्थित अलबामा में इस वर्ष आयोजित होने वाले विश्व पुलिस गेम्स में खेलने जाएंगे। यह जानकारी रविवार को हिन्दुस्थान समाचार एजेंसी के प्रतिनिधि से अनौपचारिक मुलाकात में ताईकांडो खिलाड़ी ऋषी राय ने दी। प्रयागराज पुलिस लाइंस में तैनात सिपाही गौतम स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षित ऋषी राय उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद के सैदपुर गांव निवासी है। वह पुलिस विभाग में खेल कोटे से सिपाही के पद पर नियुक्त हुए है। उनकी खेल के प्रति लगन ने विश्व पुलिस गेम्स के लिए भारतीय टीम में चयन हो गया । उन्होंने बताया कि आगामी 27 जून से 7 जुलाई तक अमेरिका के बर्मिंघम स्थित अलबामा में इस वर्ष विश्व पुलिश गेम्स का आयोजन होने जा रहा है जिसके लिए भारतीय पुलिस् गेम्स में खेले जाने वाले विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों का चयन किया गया है । इसमें गाजीपुर के लाल और ताईक्वांडो खिलाड़ी ऋषी राय का चयन भारतीय ताईक्वांडो टीम में किया गया है जो अमेरिका में जुटने जा रहे विश्व के तमाम देशों के पुलिस खिलाड़ियों के समक्ष पुरुषों के 68किग्रा में भारत का नेतृत्व करेंगे। वहीं ऋषी राय के कोच व गौतम स्पोर्ट्स अकादमी के प्रबन्ध निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि ऋषी वर्ष 2016 में मेरे संपर्क में आए और उनके अनुशाषित दिनचर्या व ताईक्वांडो खेल के प्रति सच्ची निष्ठा भावना ने मुझे प्रभावित किया । कोच ने बताया कि ऋषी के नाम दर्जनों राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पदक हैं । इनके शानदार खेल के प्रदर्शन को देखते हुये राज्य सरकार के खेल कोटे से ऋषी राय को वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती कर लिया गया है । भर्ती के पश्चात् भी ऋषी के प्रशिक्षण व दिनचर्या में कोई बदलाव नही आया है और विगत वर्ष जून में गुवाहाटी(असम) में आयोजित नवीं अखिल भारतीय पुलिश गेम्स में भी बी.एस. एफ., सी.आर.पी.एफ. और आई.टी.बी.पी. जैसे टीमों को हरा कर स्वर्ण पदक जीता और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का अपना दबदबा यहां भी बनाए रखा । इस अद्वितीय प्रदर्शन को देखते हुये अखिल भारतीय पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड नई दिल्ली के उच्चाधिकारियों ने वर्ल्ड पुलिस गेम्स के लिए ऋषी राय का चयन भारतीय दल में कर लिया है । इस अवसर पर ऋषी राय को उत्तर प्रदेश के पुलिस् महानिदेशक (डी.जी.पी.) प्रशांत कुमार ने पुलिस मुख्यालय लखनऊ में संम्मानित किया , इस अवसर पर मुख्य अतिथि भूतपूर्व महान क्रिकेटर कपिल देव ने ऋषी राय को प्रतीक चिन्ह प्रदान किया और विश्व दौरे के लिए शुभकामनाएं दीं । इधर विश्व पुलिस् गेम्स के लिए भारतीय टीम में ऋषी के चयन की खबर पाते ही गौतम स्पोर्ट्स अकादमी गैबिपुर में साथी खिलाड़ियों व अकादमी के सदस्यों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी , सभी ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर बधाइयाँ दीं , गाजीपुर ताईक्वांडो एसोसिएशन के चेयरमैन डा.मुकेश सिंह ने कहा कि जनपद वापसी पर ऋषी राय को सम्मानित किया जाएगा ।

## आईपीएल 2025 : बेंगलुरु-कोलकाता मुकाबला बिना टॉस के रद्द, प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई केकेआर

एजेंसी

**बेंगलुरु।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 58वें मुकाबले में क्रिकेट प्रेमियों को मायूसी का सामना करना पड़ा। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। लगातार बारिश के कारण टॉस भी संभव नहीं हो सका और अंततः अंपायरों ने रात्रि 10:24 बजे मैच रद्द करने का निर्णय लिया।बारिश से मुकाबला रद्द होने के चलते दोनों टीमों को 1-1 अंक दिए गए। इस परिणाम ने आरसीबी को 17 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया, जबकि कोलकाता की प्लेऑफ की उम्मीदों पर पूर्णविराम लग गया। केकेआर 13 मैच में 12 अंक तक ही पहुंच सकी। एक ओर बेंगलुरु की टीम 17 अंकों के साथ शीर्ष चार में जगह बनाने के काफी करीब पहुंच गई है। हालांकि उसकी प्लेऑफ में जगह पक्की नहीं हुई है, क्योंकि चार टीमों के पास अब भी 17 या उससे अधिक अंक अर्जित

करने का मौका है। वहीं, डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मैच रद्द होने के बाद मिले एक अंक से करारा झटका लगा है। आईपीएल 2025 का 58वां मुकाबला धुलने के साथ ही डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें भी टूट गईं। अब कोलकाता नाइट राइडर्स 13 मैच में 5 जीत, 6 हार और 2 मैच का परिणाम नहीं निकलने के साथ 12 अंक लेकर छठे पायदान पर है। इससे पहले मौजूदा सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच भी मुकाबला रद्द रहा था।

# भारत में पहली बार 'शूटिंग लीग ऑफ इंडिया' का आयोजन, एनआरएआई ने तय की प्रमुख रूपरेखा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** नेशनल रायफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) की गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित हुई, जिसमें 'शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई)' के पहले संस्करण के लिए विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की गई और उन्हें अंतिम रूप दिया गया। यह लीग भारत में शूटिंग खेल को व्यावसायिक और पेशेवर मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम मानी जा रही है।बैठक में शासन संरचना, खेल प्रारूप, खिलाड़ियों की भर्ती व श्रेणियां, एजेंसियों की नियुक्ति, ब्रांडिंग और लोगो लॉन्च, तथा पुरस्कार राशि जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से मंथन किया गया। एसएलआई को एक पारदर्शी और संरचित शासन प्रणाली के अंतर्गत

चलाने का निर्णय लिया गया है, जिससे निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा और खेल की व्यापकता को नया आयाम मिलेगा।एनआरएआई अध्यक्ष कालिकेश सिंह देव ने कहा, एसएलआई एक ऐसा मंच बनेगा, जो शूटिंग जैसे ओलंपिक खेल को लीग प्रारूप की रोमांचक शैली में प्रस्तुत करेगा। यह लीग न केवल भारत के युवा निशानेबाजों को निखारेगी, बल्कि वैश्विक मंच पर भी इस खेल की पहचान को मजबूती देगी। पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसी लीग की परिकल्पना की गई है।

**प्रमुख निर्णय और विशेषताएं**

-लीग का आयोजन 20 नवंबर से 02 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा।

-उद्घाटन समारोह 20 नवंबर को होगा, जबकि लीग स्टेज 21 से 26 नवंबर तक चलेगी।

-आठ टीमें, दो ग्रुप में विभाजित होंगी। प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी।

-शूटिंग के वर्गं 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल, 10 मीटर और 50 मीटर 3-पोजिशन रायफल, ट्रैप और स्कीट (शॉटगन)।

## हिमाचल की हरलीन दयोल बीसीसीआई के हाई परफॉर्मेंस कैम्प के लिए चयनित

एजेंसी

**धर्मशाला।** बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस द्वारा बेंगलुरु में आयोजित किए जा रहे हाई परफॉर्मेंस क्रिकेट कैंप के लिए महिला वर्ग में हिमाचल की हरलीन दयोल का चयन हुआ है। हिमाचल की हरलीन दयोल यहां से एकमात्र क्रिकेटर हैं जिनका चयन इस कैम्प के लिए किया गया है। इस कैंप का आयोजन दो हिस्सों में किया गया है। पहला कैम्प 19 मई से लेकर 2 जून तक जबकि दूसरी बार 2 जुलाई से 11 जुलाई के बीच बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। उधर हिमाचल की हरलीन के चयन पर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अवनीश परमार ने उन्हें बधाई देते हुए उनके बेहतर भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि एचपीसीए द्वारा खिलाड़ियों के लिए दी जा रही आधुनिक और बेहतर सुविधाओं के चलते ही हिमाचल के क्रिकेटर इस तरह के कैंप के लिए चयनित हो रहे हैं।

# पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स का दावा- ब्रेक के बाद भी नहीं टूटी टीम की लय

एजेंसी

**जयपुर।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में आगामी मुकाबले से पहले पंजाब किंग्स ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ कल होने वाले मैच से पहले तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि टीम ने सप्ताहभर के ब्रेक के बाद भी अपनी लय नहीं खोई है, बल्कि खिलाड़ी और अधिक ताजगी के साथ लौटे हैं।

होप्स ने कहा, हमें थोड़ी चिंता थी कि टीम दोबारा कैसे एकजुट होगी, लेकिन पिछले कुछ दिनों में हमने जिस तरह अभ्यास किया है। उससे साफ है कि हमारी लय में कोई कमी नहीं आई है। वास्तव में, कुछ खिलाड़ी घर जाकर तरोताजा होकर लौटे हैं, जो हमारे लिए फायदेमंद है। रणनीति में कोई बड़ा बदलाव नहीं जब उनसे पूछा गया कि क्या रणनीति में कोई बदलाव देखने को मिलेगा,

तो उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम अपनी मौजूदा संरचना के साथ ही मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा, चाहे खिलाड़ी बदले हों, लेकिन खेलने का तरीका वही रहेगा। यह ब्रेक अप्रत्याशित था, लेकिन हम इसके सकारात्मक पहलुओं को देख रहे हैं।

**निडर युवा खिलाड़ियों की तारीफः** होप्स ने युवा भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि उनकी निडरता उन्हें और भी खतरनाक बनाती है। इन युवाओं के पास खोने को कुछ नहीं है और उनके पास भय का कोई नामोनिशान नहीं है। इस सीजन में कई युवा खिलाड़ी, चाहे वे हमारी टीम में हों या विरोधियों की, टूर्नामेंट में छा गए हैं। अब पंजाब किंग्स अपने शेष घरेलू मैच सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में खेलेगी। जब उनसे वहां की पिच पर टीम की रणनीति के बारे में पूछा गया, तो होप्स ने कहा, ÷हमारे पास तेज गेंदबाजों की मजबूत लाइनअप है, लेकिन अगर पिच स्पिन के अनुकूल हुई तो हमारे पास कुशल स्पिनर भी मौजूद हैं। हमने ऐसी टीम तैयार की है जो हर परिस्थिति में खेलने में सक्षम हो।

## विराट ने इतना बड़ा फैसला लिया, उन्होंने किसी से बात तो की होगी : ईशांत शर्मा

**मुंबई ।** विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए इशांत ने कहा कि वह इस फैसले से हैरान हैं खासकर उनकी की शानदार फिटनेस देखते हुए। इशांत ने कहा कि वह परिपक्व हैं। उन्हें पता है कि वह क्या कर रहे हैं। उनके संन्यास लेने के बाद मैंने उनसे बात नहीं की। लेकिन हर कोई जानता है कि जब तक आप खेल रहे हैं, तब तक जितना संभव हो उतना सामान्य रहना महत्वपूर्ण है। इसलिए विराट के साथ मेरी दोस्ती है। हमने कभी भी किसी चीज को थोपने की कोशिश नहीं की है। इशांत ने यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि हम इंसान हैं। और हम अच्छे दोस्त हैं। वह जानते हैं कि उन्हें जीवन में क्या चाहिए और उन्होंने किसी से बात की होगी।

## हॉकी इंडिया ने चार देशों के टूर्नामेंट के लिए घोषित की जूनियर महिला हॉकी टीम

एजेंसी

**नई दिल्ली।** हॉकी इंडिया ने अर्जेंटीना के रोसारियो में 25 मई से 2 जून तक आयोजित होने वाले चार देशों के टूर्नामेंट के लिए 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। इस टीम की कप्तानी गोलकीपर निधि को सौंपी गई है, जबकि हिना बानो उपकप्तान की भूमिका निभाएंगी। यह टूर्नामेंट भारत के लिए आगामी जूनियर वर्ल्ड कप (दिसंबर 2025) की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। टूर्नामेंट में भारत, अर्जेंटीना, उरुग्वे और चिली की टीमें भाग लेंगी, जहां हर टीम एक-दूसरे के खिलाफ दो-दो मुकाबले खेलेंगी। इससे भारतीय टीम को अपनी रणनीतियों को परखने और टीम संयोजन को मजबूत करने का मौका मिलेगा।भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के कोच तुषार खांडकर ने कहा कि हम इस दौरे के जरिए अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की पहचान करना चाहते हैं, खासकर जब जूनियर वर्ल्ड कप सिर्फ छह महीने दूर है। इस टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को

अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलेगा, जो उनके विकास में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हम इन खिलाड़ियों को भविष्य में सीनियर टीम में शामिल करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। इसके लिए वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में प्रदर्शन करना बेहद जरूरी है।भारत का पहला मुकाबला 25 मई को चिली के खिलाफ खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम 26 मई को उरुग्वे, 28 मई को अर्जेंटीना, फिर 30 मई को चिली, 01 जून को उरुग्वे और 02 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। टीम अन्य दोनों देशों से भी दो-दो मैच खेलेगी।

**भारतीय टीम इस प्रकार है:**

गोलकीपर : निधि (कप्तान), एंगल हर्षा रानी मिंज।

डिफेंडर : ममिता ओराम, लालथनत्लुआंगी, मनीषा, पूजा साहू, पार्वती टोपनो, नंदिनी, साक्षी शुक्ला।

मिडफील्डर : प्रियंका यादव, अनीशा साहू, रजनी केरकेट्टा, बिनिमा धन, खाइदम शिलैमा चानू, संजना होरो, सुप्रिया कुजुर, प्रियांका डोगरा।

फॉरवर्ड : हिना बानो (उपकप्तान),सोनम, सुखवीर कौर, गीता यादव, लालरिनपुई, कनिका सिवाच, कर्मनप्रीत कौर।

स्टैंडबाय खिलाड़ी : विद्याश्री वी, हुडा खान, मुनमुनी दास, सेलस्टिना होरो

# हरीथ नोआ विश्व रैली रेड चैम्पियनशिप से करेंगे वापसी

एजेंसी

**सन सिटी ।** भारत के प्रसिद्ध रैली रेड मोटरसाइकिल चालक हरीथ नोआ एक बार फिर प्रतिस्पर्धी रेस में लौटने को तैयार हैं। वे 18 से 24 मई तक सन सिटी पर्यटन स्थल से शुरू हो रही दक्षिण अफ्रीकी सफारी रैली में भाग लेंगे, जो अंतरराष्ट्रीय मोटर स्पर्धा महासंघ की विश्व रैली रेड चैम्पियनशिप 2025 का तीसरा चरण है। डकार रैली 2025 के दौरान लगी गंभीर चोट के बाद यह उनकी पहली प्रतिस्पर्धात्मक भागीदारी होगी। शेरको टीवीएस रैली फैक्टरी टीम के प्रमुख सदस्य नोआ को जनवरी 2025 में डकार रैली के प्रारंभिक चरण में दुर्घटना का सामना करना पड़ा था, जिसमें उनके हाथ की हड्डी टूट गई थी। हालांकि उन्होंने वह चरण पूरा किया, लेकिन बाद की

जांच में चोट की पुष्टि हुई और शल्य चिकित्सा की आवश्यकता पड़ी। अब चार महीने बाद, उन्होंने चोट से पूरी तरह उबरकर रेसिंग में लौटने की घोषणा की है। उन्होंने एक बयान में कहा, चोट के बाद मुझे स्वस्थ होने में समय लगा, लेकिन अब मैं पूरी तरह ठीक हूं। यह मेरी उस दुर्घटना के बाद पहली दौड़ है, इसलिए थोड़ी चिंता स्वाभाविक है। परंतु इस समय सबसे ज़रूरी है शांत रहना और मोटरसाइकिल के साथ फिर से तालमेल बनाना। यह पहली बार है जब विश्व रैली रेड चैम्पियनशिप का कोई चरण दक्षिण अफ्रीका में आयोजित हो रहा है, जिससे यह रैली ऐतिहासिक बन गई है। विविध प्रकार के मार्ग, कठोर भू-भाग और तेजी से बदलते मौसम के कारण यह प्रतियोगिता न केवल रोमांचक है, बल्कि चालकों के लिए एक कठिन परीक्षा भी है। विश्व रैली रेड चैम्पियनशिप 2025 में कुल पांच चरण शामिल हैं, जो तीन महाद्वीपों में आयोजित हो रहे हैं, जिनमें पहला है, डकार रैली (सऊदी अरब), दूसरा है अबू धाबी रेगिस्तानी चुनौती, तीसरा है, दक्षिण अफ्रीकी सफारी रैली, चौथा है बीपी अल्टिमेट रैली रेड (पुर्तगाल, सितंबर) और पांचवां और अंतिम है रैली डू मोरक्को (अक्टूबर)। नोआ की वापसी केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि भारतीय मोटरस्पर्धा के लिए भी गौरव का विषय है। इस प्रकार की अंतरराष्ट्रीय उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में भारतीय प्रतिभागिता से भारत की पहचान वैश्विक स्तर पर और सशक्त होती है।

Cannes 2025 में पहुंचीं

# जैकलीन फर्नांडीज

## ने खोले बॉलीवुड के राज, बोलीं- 'जैसी दिखती हूं वैसे रोल मिलते हैं'

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज ने Cannes Film Festival 2025 की रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेरा. लेकिन इस दौरान कान में शामिल होने पहुंची जैकलीन ने बॉलीवुड को लेकर वहां कई खुलासे भी किए. साथ ही उन्होंने खुद को लेकर बॉलीवुड में लोगों का नजरिए पर भी बात की. कांस में जैकलीन ने इंडस्ट्री को लेकर कुछ ऐसा बोला है, जिसकी अब हर जगह चर्चा हो रही है.जैकलीन फर्नांडीज ने बॉलीवुड में आज अपना एक अलग मुकाम हासिल कर लिया है. जैकलीन ने हाल ही में बॉलीवुड को लेकर अपने विचार रखे. कहा कि उन्हें बॉलीवुड में स्टीरियोटाइप किया गया है.

**'मुझे स्टीरियोटाइप कर दिया'**

कान में पहुंचीं जैकलीन ने द हॉलीवुड रिपोर्टर के साथ बातचीत की. इस बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कभी-कभी इसे गलत तरीके से समझा जाता है. लोगों ने मेरे लिए किसी एक पर्टीकुलर रोल को सही समझा और फिर उसी में स्टीरियोटाइप कर दिया. उनको लगता है कि यही मुझपर सूट करता है. यही मेरी जर्नी रही है. ये बात सच है कि मैं लोगों की बहुत शुक्रगुजार हूं, क्योंकि मैं आज यहां तक आ पाई हूं और इस मुकाम पर हूं. मैं खुश हूं कि मुझे कम से कम ये मौका मिला कि मैं इंडस्ट्री के बड़े टैलेंट्स के साथ काम कर सकती हूं.'

**'जैसी दिखती हूं वैसे ही रोल मिलते हैं'**

जैकलीन ने आगे कहा, 'हालांकि, मैं और भी अच्छा काम कर सकती हूं. मैं खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं, सीखना चाहती हूं, ऊपर उठना चाहती हूं, मैं एक्सप्लोर करना चाहती हूं. हम सभी को ये सब करने का अधिकार भी है. लेकिन यहां इंडस्ट्री में सिर्फ आपके व्यक्तित्व को देखकर आपको काम दिया जाता है. मैं जैसी दिखती हूं मुझे वैसे ही रोल भी दिए जाते हैं. कुछ अलग और ज्यादा करने का मौका नहीं मिलता है.' 78वें कान फिल्म फेस्टिवल में पहुंची जैकलीन का लुक काफी चर्चाओं में रहा. हालांकि, जैकलीन का इस बार कान में यह पहला मौका नहीं है. वो इससे पहले भी नजर आ चुकी हैं. कान में अपने डेब्यू को लेकर जैकलीन ने कहा कि उनके डेब्यू को किसी ने कवर नहीं किया.

## 3 साल की तब्बू और उनकी मां को छोड़कर चले गए थे पिता, एक्ट्रेस बोलीं- पापा से प्यार नहीं है

90 के दशक में कई अभिनेत्रियों ने अपनी बेहतरीन अदाकारी के दम पर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को गुलजार किया. तब्बू भी उन्हीं हसीनाओं में शामिल हैं. तब्बू ने अपने फिल्मी करियर का आगाज साउथ सिनेमा से किया था, लेकिन उन्होंने बॉलीवुड में अपने कदम फिल्म 'प्रेम' के जरिए रखे थे. इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा. तब्बू ने अपने अभिनय से हर किसी का दिल जीता. लेकिन वो अपनी पर्सनल लाइफ से भी खूब सुर्खियों में रहीं.तब्बू 53 साल की उम्र में भी कुंवारी हैं. कथित तौर पर उनका साउथ सुपरस्टार नागार्जुन से लंबा अफेयर चला था. फिर भी एक्ट्रेस के प्यार को मंजिल नहीं मिल पाई. उनकी लाइफ में इसके बाद प्यार का कॉलम खाली रहा. लेकिन एक्ट्रेस को अपने जीवन में पिता के होते सोते भी पिता का प्यार नहीं मिला. तब्बू के दिल में उनके पिता के लिए आज भी नफरत है. आइए आपको विस्तार से बताते हैं कि आखिर इसके पीछे की वजह क्या है.

**घर छोड़कर चले गए थे तब्बू के पिता**

4 नवंबर, 1971 को हैदराबाद में जन्मीं तब्बू के पिता का नाम जमाल अली हाशमी और मां का नाम रिजवाना है. लेकिन बचपन में ही एक्ट्रेस को बड़ा दर्ज झेलना पड़ा था. दरअसल जब एक्ट्रेस सिर्फ तीन साल की थीं, तब ही उन्हें और उनकी मां रिजवाना को छोड़कर उनके पिता जमाल घर से चले गए थे. इसके बाद वो कभी नहीं लौटे. ऐसे में उनकी और उनकी बड़ी बहन फराह नाज की परवरिश तब्बू की नानी ने की थी. क्योंकि तब्बू की मां टीचर थीं और वो नौकरी के चलते बेटियों को ज्यादा समय नहीं दे पाती थीं.

**पिता से नफरत करती हैं तब्बू**

मां को छोड़ने और उन्हें ना अपनाने के चलते तब्बू के दिल में पिता के प्रति प्यार नहीं सिर्फ और सिर्फ नफरत हैं. एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने बताया था कि उनके दिल में न ही पिता से जुड़ी कोई याद है और न ही उन्होंने कभी अपने पिता को देखा है. एक्ट्रेस ने ये भी कहा था कि न ही वो कभी अपने पिता से मिलना चाहती हैं और न ही उन्हें पिता की याद आती है. इतना ही नहीं एक्ट्रेस अपने पिता का सरनेम 'हाशमी' भी नहीं लगाती हैं.

## जब अंबानी के इवेंट में छूटे करण जौहर के पसीने, घर लौटे तो फूट-फूट कर रोने लगे

बॉलीवुड के जाने-माने डायरेक्टर करण जौहर का जीवन काफी उतार-चढ़ावों से भरा रहा है. करण जौहर ने कई बार अपने जीवन में मुश्किल दौर का सामना किया है. लेकिन सारी परेशानियों को पीछे छोड़कर वो आगे बढ़े और आज भारत के सबसे सफल फिल्ममेकर्स में से एक हैं. खैर आज हम आपको करण जौहर की जिंदगी का वो किस्सा बताने जा रहे हैं जब मुकेश अंबानी के इवेंट में शामिल होने के बाद वो घर आए थे और रोने लगे थे.करण जौहर 'नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर' (NMACC) की लॉन्चिंग में शामिल हुए थे. इस इवेंट का हिस्सा और भी कई बॉलीवुड सेलेब्स बने थे. इवेंट में अभिनेता वरुण धवन भी पहुंचे थे. तब करण जौहर को एंग्जायटी अटैक पड़ा था. करण पसीने से तर बतर हो गए थे. तब उनकी मदद वरुण धवन ने की थी.

**करण को आया था एंग्जायटी अटैक**

करण जौहर ने ये खुलासा अपने शो 'कॉफी विद करण' के आठवे सीजन के दौरान किया था. दरअसल उनकी मेहमान एक एपिसोड में दीपिका पादुकोण बनी थीं. दीपिका अपने डिप्रेशन के दौर के बारे में कुछ बात कर रही थीं. तब ही करण ने भी खुद से जुड़ा बड़ा खुलासा किया. उन्होंने बताया कि (NMACC) की लॉन्चिंग के दौरान उन्हें एंग्जायटी अटैक आया था. उन्हें बहुत जयादा पसीना आने लगा था. करण को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें क्या हो रहा है. करण को ये भी लगा था कि कहीं उन्हें हार्ट अटैक तो नहीं आ रहा है. उनकी दिल की धड़कने तेज हो गईं थीं.

**वरुण धवन ने की थी मदद**

करण जौहर ने बताया था कि पहले वरुण धवन उन्हें नोटिस करते रहे. लेकिन बाद में वरुण, करण के पास पहुंचे और उनसे पूछा कि क्या वो ठीक हैं? लेकिन करण की तबीयत ठीक नहीं थी. पसीना आने के अलावा उनके हाथ भी कांप रहे थे. इसके बाद करण को वरुण एक खाली कमरे में लेकर गए. करण को फिर थोड़ा ठीक लगा लेकिन जल्द ही वो घर के लिए निकल गए थे.

**घर जाकर रोने लगे थे करण**

खाली कमरे में जाने के बाद करण जौहर ने अपनी जैकेट निकाली. इसके बाद वो आधे घंटे के अंदर ही अपने घर चले गए थे.

लेकिन घर जाते से ही बेड पर जाने के बाद करण रोने लगे थे. अगले दिन उन्होंने अपने साइकोलॉजिस्ट से बात की थी. करण ने बताया था कि वो समय उनके लिए काफी मुश्किल था. करण ने भी कई बार अपने डिप्रेशन के फेज को लेकर बात की है.

'रेड कार्पेट पर वॉक करना कोई बड़ी बात नहीं...' Cannes 2025 पर जा नहीं पाई

# उर्फी जावेद

## बोलीं- 'ये कोई भी कर सकता है'

एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर उर्फी जावेद को अपने अतरंगी फैशन के लिए जाना जाता है. उर्फी ना सिर्फ अपने अजीबोगरीब कपड़ों के लिए जानी जाती हैं, बल्कि वो अपनी बातों को भी बड़े ही बेबाक अंदाज से सबके सामने रखती हैं. इस वजह से कई बार वो मुसीबत में भी फंस जाती

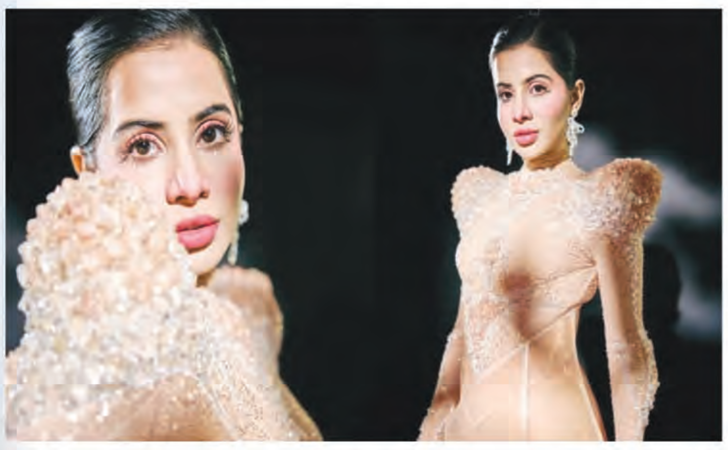

हैं.फ्रांस के कांस शहर में इस वक्त कांस फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है. हमेशा की तरह ही कई सेलेब्स रेड कार्पेट पर वॉक करते दिखाई दे रहे हैं. वहीं हाल ही में उर्फी जावेद को भी कांस में जाना था, उनकी ड्रेस भी तैयार थी, लेकिन आखिरी वक्त में उनका वीजा रिजेक्ट हो गया. अब उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है.

**रेड कार्पेट का टिकट खरीदते हैं ब्रैंड**

सोशल मीडिया इंस्टाग्राम स्टोरी पर उर्फी ने एक लंबा चौड़ा पोस्ट शेयर किया. उन्होंने लिखा- कांस जाना एक ऐसा मौका है, जिसका आपकी काबिलियत से कोई लेना-देना नहीं है. बड़े-बड़े ब्रैंड्स रेड कार्पेट का टिकट खरीदते हैं, और उसे इंफ्लुएंसर्स और सेलेब्स को दिया जाता है, ताकि वे वहां जाकर ब्रैंड को रिप्रेजेन्ट कर सकें. कोई अपने लिए खुद भी टिकट खरीद सकता है, अगर पैसे हैं तो. कांस के रेड कार्पेट पर वॉक करना कोई बड़ी अचीवमेंट, मेरे लिए भी नहीं है.

**खुद को प्रमोट करने का मौका है कांस**

उर्फी ने आगे कहा- ये एक मौका है खुद को प्रमोट करने का, और यही सच्चाई है. जब तक आपकी फिल्म का वहां प्रेमियर नहीं हो रहा, जो वाकई एक बड़ी बात है, तब तक कोई भी वहां जा सकता है और रेड कार्पेट का टिकट ले सकता है, अगर आपके पास पैसे हैं या फिर कोई ब्रैंड आपके साथ कोलैब करना चाहता है. उर्फी ने बीते दिनों एक पोस्ट करके ये बात बताई थी, कि कांस के लिए वो जा रही थीं, लेकिन ऐन वक्त पर उनका वीजा कैंसिल हो गया, जिसके वजह से वो कांस नहीं जा पाई.

# "Cepora" परफ्यूम का भव्य लॉन्च, खुशबुओं की दुनिया में जुड़ा एक नया नाम

**दिव्य दिल्ली :** राजधानी के गुजरांवाला टाउन स्थित किबू में हाल ही में एक भव्य और यादगार इवेंट का आयोजन किया गया, जहां "राजस बाय साक्षी" शालिनी भाटिया और विकुल गर्ग ने मिलकर अपने लेटेस्ट परफ्यूम ब्रांड "Cepora" को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया।

इस खास मौके पर मुख्य अतिथि शालिनी भाटिया ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इवेंट में विशेष योगदान रहा फैज सैफ का, जिन्होंने आयोजन को सफल और प्रभावशाली बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में दिल्ली के कई प्रतिष्ठित मेहमानों की मौजूदगी रही, जिन्होंने इस शानदार लॉन्च का स्वागत किया। Cepora परफ्यूम" की खुशबू ने मेहमानों का दिल जीत लिया। सभी ने इसकी फ्रेशनेस और क्वालिटी की सराहना करते हुए इसे बाजार में उपलब्ध परफ्यूम्स से बेहतर बताया। एक मेहमान ने कहा, "जैसे दुबई के परफ्यूम्स पूरी दुनिया में फेमस हैं, वैसे ही अब हमें 'Cepora' का भी क्रेज हो गया है।"इस लॉन्च पार्टी की खास बात रही केक कटिंग सेरेमनी, जिसने इस शाम को और भी यादगार बना दिया। संगीत, स्वादिष्ट खानपान और शानदार माहौल ने मेहमानों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। Cepora" अब दिल्ली की परफ्यूम इंडस्ट्री में एक नया नाम बनकर उभर रहा है, जिसकी शुरूआत न सिर्फ स्टाइल और एलीगेंस के साथ हुई, बल्कि इसकी खुशबू ने पहले ही दिन लोगों के दिलों में जगह बना ली। "राजस बाय साक्षी" के इस नए कदम को फैशन और परफ्यूम इंडस्ट्री के लिए एक बड़ा और सराहनीय प्रयास माना जा रहा है।

## ग्रेनो के नॉलेज पार्क-5 में बनेगा ईएसआईसी का हॉस्पिटल-तीन साल में बनकर होगा तैयार, 550 करोड़ खर्च होंगे

**ग्रेटर नोएडा।** ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने शनिवार को एक और अहम फैसला लिया है। प्राधिकरण बोर्ड ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम का हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा में बनाने के लिए 5000 रुपये प्रति वर्ग की दर से जमीन आवंटित करने पर सहमति दे दी है। यह हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 में 29300 वर्ग मीटर भूखंड पर बनेगा। ग्रेटर नोएडा के उद्यमी ईएसआईसी हॉस्पिटल बनाने के लिए आए दिन प्राधिकरण के समक्ष मांग उठाते रहते हैं। सीईओ एनजी रवि कुमार ने ईएसआईसी के हवाले से बताया कि यह अस्पताल तीन साल में बनकर तैयार होगा। इसे बनाने में करीब 550 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके बन जाने से ग्रेटर नोएडा और आसपास कंपनियों व फैक्ट्रियों में काम करने वालों इजाज कराने की सुविधा हो जाएगी। जिले में अभी तक ईएसआईसी का एक मात्र हॉस्पिटल नोएडा के सेक्टर 24 में बना है।

## सीआईएसएफ के जवानों को ग्रेनो में मिलेगा आवास

**ग्रेटर नोएडा।** नोएडा एयरपोर्ट में तैनात होने वाले सीआईएसएफ के जवानों के लिए आवास की सुविधा का हल निकल गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से निर्मित 812 फ्लैट सीआईएसएफ को आवंटित किए जाएंगे। ये फ्लैट ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ओमीक्रॉन वन ए में स्थित हैं। ये फ्लैट एमआईजी व एलआईजी कैटेगरी के हैं।

इन फ्लैटों की कीमत निर्धारित कर सीआईएसएफ को भेज दिया है। इससे नोएडा एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात होने वाले सीआईएसएफ के स्टाफ को बड़ी सुविधा हो जाएगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। इसके साथ ही करीब 192 फ्लैटों को पुलिस, कोर्ट, जिला प्रशासन सहित अन्य सरकारी महकमों को भी आवास के परपज से आवंटित करने का भी निर्णय लिया गया।

## जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश गोली लगने से घायल

**नोएडा।** थाना सेक्टर 39 पुलिस द्वारा सोम बाजार कट के सामने चेकिंग की जा रही थी तभी सामने से स्कूटी पर सवार 03 संदिग्ध व्यक्ति आते हुये दिखाई दिये जिन्हे पुलिस द्वारा रूकने का इशारा किया गया परंतु वह नही रूके तथा स्कूटी को मोड कर पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर करते हुये सेक्टर 43 जंगल की तरफ भागने लगे। आत्मरक्षार्थ पुलिस द्वारा की गयी जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जिसकी पहचान नदीम पुत्र सलीम निवासी दया बस्ती रेलवे कॉलोनी थाना सराय रोहिल्ला दिल्ली के रूप में हुयी, जिसके कब्जे से एक तमंचा .315 बोर एक खोखा कारतूस, एक स्कूटी डी एल 8 एसटी 5228 तथा दिनांक 15.05.2025 को शाम के समय सेक्टर 36 के एक मकान के सामने से खडी एंडेवर गाड़ी का शीशा तोड़कर गाड़ी में रखें पर्स से ?4000 तथा आधार कार्ड व अन्य सामान चोरी किया गया था, जिसमे से 2000 रुपए, एक आधार कार्ड व अन्य सामान बरामद हुआ है।।

## गार्डन गलेरिया में स्थित विभिन्न बार रेस्टोरेंट का किया गया औचक निरीक्षण

**नोएडा।** उत्तर प्रदेश शासन एवं आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निदेर्शों के क्रम में तथा पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह एवं जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जनपद में अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन पर पूर्णतया अंकुश लगाने हेतु आबकारी एवं पुलिस विभाग के अधिकारीगण नियमित रूप से चेकिंग अभियान संचालित करत हुए शराब माफियाओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं। जिला आबकारी अधिकारी नियमानुसार कार्यवाही किये जाने की चेतावनी दी गई।

जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि आगे भी पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी के नेतृत्व में जनपद में अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन पर पूर्णता अंकुश लगाने के उद्देश्य से आबकारी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा अभियान चला कर प्रवर्तन कारवाई सुनिश्चित की जाएगी।

## ओएसिस ग्रैंडस्टैंड सोसायटी में आंधी ने मचाई तबाही, बाल-बाल बचे लोग

**ग्रेटर नोएडा ।** ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-22 में बने ओएसिस ग्रैंडस्टैंड सोसायटी में शुक्रवार देर शाम आई तेज आंधी ने जमकर कहर बरपाया। करीब शाम 5:45 बजे के आसपास शुरू हुई तेज हवाओं और तूफान के कारण सोसायटी के सीजर टावर की सबसे ऊपरी संरचना भरभरा कर नीचे गिर गई। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, क्योंकि इस बहुमंजिला सोसायटी में इस समय केवल 10 परिवार ही निवास कर रहे हैं।

हादसे में सीजर, एंट्री और डेलॉइट टावरों की छत की दीवारें भी गिर गईं, जो ओपन एरिया में आकर गिरी। स्थानीय निवासियों ने इस भयावह घटना का वीडियो भी रिकॉर्ड किया, जिसमें स्पष्ट देखा जा सकता है कि बिल्डिंग की बालकनी और पिलर तेज हवाओं की चपेट में आकर ढह गए। बताया जा रहा है कि यह रिहायशी परिसर हाल ही में बना है और अब तक लगभग 200 फ्लैटों की रजिस्ट्री की जा चुकी है, लेकिन फिलहाल इनमें से केवल 10 फ्लैटों में ही परिवार रह रहे हैं।

## मीनाटीवर्स और मीनाटी ब्लॉकचैन इनोवेशन लांच

**नोएडा।**।अब दुनिया तेजी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की और बढ़ रही है और ऐसे में डिजिटल दुनिया भी पूरी तरह से बदलने वाली है,जिसको लेकर तेजी से उभर रही मीनाटीवर्स कंपनी द्वारा दो नए टेक्नोलॉजी इनोवेशन किए गए हैं।

नोएडा मीडिया क्लब में शनिवार को कंपनी द्वारा एक प्रेसवार्ता में कंपनी द्वारा मीनाटीवर्स और मीनाटी ब्लॉकचैन इनोवेशन लांच किए गए हैं। इसके बाद डिजिटल दुनिया और ज्यादा एडवांस हो जाएगी। इन दोनों प्रोजेक्ट्स का उद्देश्य है लोगों को एक ऐसे भविष्य से जोड़ना जो तेज, सुविधाजनक, और पूरी तरह से डिजिटल हो।

मीनाटीवर्स एक नई वर्चुअल दुनिया मीनाटी ग्रुप सीएमडी कपिल सिवाच ने बताया कि मीनाटीवर्स, मीनाटी कंपनी का अपना मेटावर्स है। जो एक ऐसा वर्चुअल वर्ल्ड जो रियल वर्ल्ड एक्सपीरियंस को एक थ्री डी डिजिटल स्पेस में बदल देता है। यहां उपयोगकर्ता अपने घर से ही कई जरूरी काम कर सकते हैं। वर्चुअल शॉपिंग स्टोर्स में घूमकर प्रोडक्ट्स का थ्री डी प्रीव्यू, ट्राय और खरीदारी, इंटरैक्टिव वर्चुअल क्लासरूम्स, डिजिटल लैब्स और लाइव लर्निंग सेशंस, एडवांस 3ऊ गेम्स जिनमें प्ले टू अर्न मॉडल होंगे। वर्चुअल बैंकों के जरिए सीमलेस और सिक्योर ट्रांजेक्शन्स,डॉक्टर से वर्चुअल कंसल्टेशन, रिपोर्ट एक्सेस और हेल्थ गाइडेंस, घर बैठे रियल एस्टेट प्रॉपर्टी का थ्री डी वर्चुअल टूर होगा।

**तेज, सुरक्षित और विकेंद्रीकृत तकनीक**

मीनाटी ग्रुप सीटीओ कपिल पिलानी ने बताया कि मीनाटीवर्स ब्लॉकचैन एक अत्याधुनिक लेयर वन ब्लॉकचैन है जिसे स्पीड, सिक्योरिटी और लो ट्रांजैक्शन फीस को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। यह एक अत्यंत स्केलेबल और डेवलपर-फ्रेंडली इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करता है। इसके जरिए हाई स्पीड ट्रांसक्शन्स कुछ ही सेकंड में कन्फर्म होते हैं,टॉप लेवल क्रिप्टोग्राफी से पूरी तरह सुरक्षित,बेहद कम ट्रांजैक्शन कॉस्ट मैसेज एडॉप्शन के लिए आइडियल कोई सेंट्रलाइजेड कंट्रोल नहीं, हर चीज पारदर्शी और ब्लॉकचैन गवर्नड ।

प्रधानमंत्री मोदी भी कर चुके हैं ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी की तारीफ

कंपनी के सीएमडी कपिल सिवाच ने कहा कि आने वाले समय में ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी कई क्षेत्रों में क्रांति ला सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने की भाषणों में ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी की तारीफ कर चुके हैं हैं।

ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी के जरिए खेती किसानी में रियल टाइम मॉनिटरिंग हो सकेगी और बिचौलिए खत्म हो जाएंगे। सप्लाई चैन में किसी भी डिलीवरी माल ली मूवमेंट और ऑथेंटिसिटी आसानी से ट्रेक हो सकती है। सरकारी दस्तावेजों का सिक्योर डिजिटलीकरण और ट्रांसपेरेंसी, ई बैंकिंग और ई कॉमर्स में सिक्योर,तेज और फाइनेंसियल ट्रांजैक्शन्स कर सकेंगे। इसके जरिए भ्रष्टाचार में कमी, पारदर्शिता और अपराध में भी कमी आएगी और भारत देश के नागरिकों को काफी फायदा मिलेगा।

## शिक्षा, पत्रकारिता और साहित्य में अद्वितीय योगदान के लिए हुए सम्मानित

**ग्रेटर नोएडा।** शिक्षा और पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले वरिष्ठ शिक्षाविद् व साहित्यकार भगवत प्रशाद शर्मा को एजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें ग्रेटर नोएडा स्थित आईआईपीपीटी कॉलेज में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह के अवसर पर प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (भारत सरकार) के पूर्व निदेशक डॉ. विपिन ह्यसाइंटिस्टह्न ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। भगवत प्रशाद शर्मा को यह सम्मान शिक्षा जगत में उनके 30 वर्षों के समर्पण और पत्रकारिता व साहित्य के क्षेत्र में निरंतर योगदान के लिए दिया गया।

हरियाणा के पलवल ज़िले के ग्राम खाम्बी निवासी भगवत प्रशाद शर्मा पिछले तीन दशकों से ग्रेटर नोएडा में निवास कर रहे हैं। वे न केवल शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय हैं, बल्कि उनकी पहचान एक सशक्त साहित्यकार के रूप में भी है। उनकी कई रचनाएँ – मातृशक्ति को नमन, गंगा मैया की गोद में बसती है भारत की महान संस्कृति, शहीदों को नमन, वतन के

## रानी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती को लेकर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय

**ग्रेटर नोएडा।** रानी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती को लेकर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने हेतु 208, कृष्ण अपरा गोल्फ व्यू, अल्फा-1 कमर्शियल बेल्ट (निकट एक्सिस बैंक), ग्रेटर नोएडा में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, सुभाष भाटी, दीपक भारद्वाज, इन्द्र नागर, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, रवि जिन्दल, वीरेंद्र भाटी, मनवीर नागर, अशोक रावल सहित कई प्रमुख पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पत्रकारों से संवाद करते हुए जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने बताया कि रानी अहिल्या बाई जी का जीवन भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं को समर्पित रहा। वे भगवान शिव की परम भक्त थीं और उन्होंने काशी विश्वनाथ से लेकर केदारनाथ जैसे अनेक प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया। उन्होंने धर्म और संस्कृति के संरक्षण में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया।

## नोएडा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 3 लाख रुपए के गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

**नोएडा ।** पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के थाना सेक्टर-63 की पुलिस टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए गांजा तस्करी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने तस्कर के कब्जे से करीब 20 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत लगभग 3 लाख रुपए आंकी जा रही है। साथ ही तस्करी में प्रयुक्त की गई एक स्विफ्ट कार भी जब्त की गई है। यह कार्रवाई स्थानीय खुफिया सूचना के आधार पर की गई, जब पुलिस ने मेट्रो पिलर नंबर-36 के पास से अभियुक्त को धर दबोचा।

पकड़े गए आरोपी की पहचान विशाल के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिजनौर के अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के शिवपुरी गांव का रहने वाला है। वह वर्तमान में नोएडा के सेक्टर-63 स्थित बहलोलपुर गांव में रहता है। आरोपी की उम्र करीब 25 वर्ष है।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी विशाल अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर ओडिशा से गांजा लाता था। इसके बाद नोएडा समेत एनसीआर के विभिन्न क्षेत्रों में इसकी सप्लाई करता था। इसके लिए वह विशेष रूप से स्विफ्ट कार का इस्तेमाल करता था ताकि किसी को शक न हो। आरोपी द्वारा इस्तेमाल गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस उसके साथी की तलाश में जुटी हुई है और आरोपी के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। पुलिस उसके नेटवर्क को भी खंगाल रही है। जांच में सामने आया है कि आरोपी दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में अपने साथियों के साथ मिलकर नशे की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर उसकी सप्लाई किया करता था। उसके अलावा कई अन्य सप्लायर भी थे, जो अलग-अलग हिस्से में मौजूद थे, जिन्हें भारी मात्रा में वह नशीले पदार्थों की सप्लाई करता था।

## दो नाइजीरियन नागरिक गिरफ्तार, अवैध विदेशी शराब बरामद

**ग्रेटर नोएडा ।** थाना सूरजपुर पुलिस, सीडीटी (क्राइम डिटेक्शन टीम) एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के कारोबार में लिप्त दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 17 मई को गुप्त सूचना के आधार पर की गई। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में एक पुरुष और एक महिला शामिल हैं। दोनों ही नाइजीरिया के नागरिक हैं। इनके कब्जे से भारी मात्रा में विदेशी शराब, बीयर की बोतलें, कैन और एक कार बरामद की गई है, जिसका उपयोग शराब तस्करी में किया जा रहा था।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान विक्टर, निवासी ओरकेसे स्ट्रीट ओगवुशुकुरे, नाइजीरिया, वर्तमान में पैरामाउंट सोसायटी, गौतमबुद्धनगर और कैसेंड्रा, निवासी ओरकेसे स्ट्रीट ओगवुशुकुरे, नाइजीरिया, वर्तमान पता पैरामाउंट सोसायटी, गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है। इन दोनों को यूपीएसआईडीसी साइट सी के पास एक खाली स्थान से गिरफ्तार किया गया। इनके खिलाफ आबकारी अधिनियम और धारा 14 विदेशी अधिनियम के तहत थाना सूरजपुर में मामला दर्ज किया गया है।

इनके पास से एक टोयोटा कार, 179 कांच की बीयर बोतलें (कोरोना एक्स्ट्रा 330 एमएल), 24 कैन बीयर (किंगफिशर 500 एमएल), 50 कैन बीयर (बडवाइजर मेगना 500 एमएल), 10 कांच की बोतलें समारा रेड वाइन, 2 कांच की बोतलें एब्सोल्यूट वोडका (750 एमएल, हरियाणा ब्रांड), 4 कांच की बोतलें मार्टेल (700 एमएल, हरियाणा ब्रांड), 2 बोतलें जोनी वॉकर ब्लैक लेबल (हरियाणा ब्रांड) और 4 बोतलें जोनी वॉकर रेड लेबल (हरियाणा ब्रांड) बरामद हुई हैं।

गिरफ्तार विदेशी नागरिकों से उनके पासपोर्ट एवं वीजा संबंधी दस्तावेजों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए गौतमबुद्धनगर अभिसूचना इकाई द्वारा पूछताछ की जा रही है। पुलिस का मानना है कि यह गिरोह अवैध तरीके से शराब की तस्करी कर रहा था और इसकी आपूर्ति दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में की जा रही थी। इस कार्रवाई से शराब तस्करी के एक बड़े नेटवर्क के खुलासे की संभावना है। पुलिस द्वारा मामले की जांच गहराई से की जा रही है और अन्य संभावित सहयोगियों की तलाश जारी है।

## तिरंगा यात्रा के दौरान शहर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया

**ग्रेटर नोएडा।** भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवाद के खिलाफ की गई निर्णायक कार्रवाई की सफलता का जश्न शनिवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट में जोरदार तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में भव्य ह्यतिरंगा शौर्य सम्मान यात्राह्न का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया।

यात्रा का शुभारंभ श्री राधा कृष्ण पार्क से हुआ और यह गौर सिटी के 7ड़ एवेन्यू तक निकाली गई। करीब दो किलोमीटर लंबी इस यात्रा के दौरान देशभक्ति के नारों और जयकारों से वातावरण गूंज उठा। हाथों में तिरंगे लिए नागरिकों ने सेना के शौर्य को नमन किया। इस आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री व गौतमबुद्ध नगर के प्रभारी मंत्री कुँवर बृजेश सिंह शामिल हुए। उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल नागर, एम.एल.सी श्रीचंद शर्मा, एम.एल.सी नरेंद्र भाटी, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस अवसर पर मंत्री कुँवर बृजेश सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। यह सिर्फ एक सैन्य सफलता नहीं, बल्कि पूरे देश की शौर्यगाथा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व मंच पर मजबूती से खड़ा है और आतंकवाद को उसके अंजाम तक पहुंचाने का संकल्प ले चुका है।भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा, यह तिरंगा यात्रा जनता की सेना के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना का प्रतीक है। देश के हर नागरिक ने सेना के शौर्य को सलाम किया है। भारत माता की जय और पाकिस्तान मुदार्बाद के नारों से पूरा शहर गूंज उठा।दादरी विधायक तेजपाल नागर ने कहा किइस यात्रा के माध्यम से न केवल सेना के पराक्रम का सम्मान किया गया, बल्कि आम जनता के बीच एकता, राष्ट्रप्रेम और संगठन की भावना को भी मजबूत किया गया। भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष व तिरंगा यात्रा अभियान के संयोजक राज नागर ने कहा,ऑपरेशन सिंदूर ने सिद्ध कर दिया है कि भारत अब आतंकवाद के खिलाफ कोई समझौता नहीं करेगा। जो भी भारत की संप्रभुता पर आंख उठाएगा, उसका जवाब इसी तरह दिया जाएगा।इस तिरंगा यात्रा में सुभाष भाटी, मुकेश चौहान, देवा शर्मा, गौरव पटेल, रवि भदौरिया, जितेंद्र सैन समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी और आम नागरिक उपस्थित रहे।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397